▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 274 ▸▸मुंबई, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

# DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

### एफडीए की कार्रवाई को मिलेगी ताकत

अन्न व औषधि प्रशासन (एफडीए) मंत्री नरहरि झिरवाल ने बताया कि मकोका लागू होने से एफडीए की कार्रवाई को मजबूती मिलेगी। राज्य में अन्य राज्यों से गैरकानूनी तरीके से बड़ी मात्रा में गुटखा और खुशबूदार सुपारी लाई जाती है, जिसे रोकना अब आसान होगा।

### गुटखा की अवैध बिक्री पर नकेल

मुख्यमंत्री ने कहा कि एफडीए द्वारा जब्ती और क्रिमिनल कार्रवाई के बावजूद गुटखा बेचा जा रहा है। इस आपराधिक चेन को रोकने के लिए मकोका के तहत कार्रवाई की प्रक्रिया एफडीए स्तर पर शुरू की जा चुकी है। राज्य में गुटखा और पान मसाले पर बैन होने के बावजूद कई जगह स्कूल और कॉलेजों के पास अवैध बिक्री हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन क्षेत्रों में भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# गुटखा कारोबारियों पर मकोका

## मुख्यमंत्री फडणवीस ने की घोषणा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में गुटखा बनाने और बेचने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि गुटखा कारोबारियों की आपराधिक चेन को तोड़ने के लिए मकोका लागू किया जाएगा।

## विधि विभाग को प्रस्ताव भेजा जाएगा

फडणवीस ने यह भी कहा कि गुटखा और नशीले पदार्थों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए विशेष कानून बनाने की प्रक्रिया जारी है। विधि और न्याय विभाग को इस संबंध में प्रस्ताव भेजा जाएगा, ताकि मकोका के दायरे में गुटखा कारोबारियों को लाया जा सके।

## घटिया दवाओं पर कार्रवाई

### 1 साल में 215 खुदरा और थोक विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द

**नागपुर।** महाराष्ट्र विधानसभा में खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) मंत्री नरहरि झिरवल ने बुधवार को एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि राज्य भर में घटिया और निम्न गुणवत्ता वाली दवाएं बेचने के आरोप में पिछले एक वर्ष में 215 दवा विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई FDA द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान के तहत की गई है। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) मंत्री नरहरि झिरवल ने विधानसभा को जानकारी देते हुए बताया कि राज्य भर में घटिया दवाओं की बिक्री को रोकने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अमित साटम और अन्य द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में झिरवल ने यह आंकड़े पेश किए।

### 176 खुदरा और 39 थोक विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द

उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत, घटिया दवाएं बेचने के आरोप में 176 खुदरा विक्रेताओं और 39 थोक विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द कर दिए गए हैं। इसके अलावा, 136 खुदरा विक्रेताओं और 93 थोक विक्रेताओं का गहन निरीक्षण किया गया। मंत्री ने कहा कि घटिया खांसी की दवा बेचने के लिए इन विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे, जिसके बाद उनके लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की गई।

### शराब की दुकान खोलना अब आसान नहीं

## हाउसिंग सोसाइटी की मंज़ूरी लेना जरूरी : अजीत पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि शराब की दुकानों, चाहे वे इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल) बेच रही हों या देसी शराब, को अपनी जगह पर मौजूद कमर्शियल जगहों पर काम शुरू करने से पहले रजिस्टर्ड हाउसिंग सोसाइटी से ज़रूरी मंज़ूरी लेनी होगी। अजीत पवार ने इस पॉलिसी पूरे महाराष्ट्र में एक जैसी लागू करने का निर्देश दिया है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार बुधवार को नागपुर में हो रहे विधानमंडल के शीतकालीन अधिवेशन के दौरान विधान सभा में चिंचवाड़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक शंकर जगताप के उठाए गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे । शंकर जगताप ने चिंचवाड़-कालेवाड़ी इलाके में हाउसिंग सोसाइटी में चल रही कुछ शराब की दुकानों के लाइसेंस कैंसिल करने की मांग की थी और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की । अजीत पवार ने कहा कि शराब की दुकानें चलाने के लिए अब संबंधित हाउसिंग सोसाइटी से नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट लेना ज़रूरी है।

## ब्रीफ न्यूज़

### पुणे पोर्श कार हादसे में दो पुलिसकर्मी बर्खास्त

**पुणे।** पोर्श कार हादसे की जांच में लापरवाही के आरोप में दो पुलिसकर्मियों को बर्खास्त कर दिया गया है। दोनों लंबे समय से निलंबित चल रहे थे। मई 2024 में कल्याणी नगर क्षेत्र में एक बेकाबू पोर्श कार ने बाइकसवार दो इंजीनियरों को कुचल दिया था।

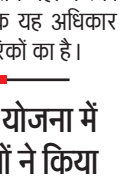

आरोप था कि 17 वर्षीय किशोर इस कार को चला रहा था। मामले में पुलिस निरीक्षक राहुल जगदाले और सहायक निरीक्षक विश्वनाथ तडकरी पर जांच में लापरवाही के आरोप लगे थे। दोनों को निलंबित किया गया था। पुणे पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया कि आंतरिक जांच में पता चला था कि मुकदमा देरी से लिखा गया, जबकि किशोर के ब्लड सैंपल भी उसकी मां के ब्लड सैंपल से बदले गए थे। दोनों की बर्खास्तगी का प्रस्ताव मार्च 2025 में गृह विभाग को भेजा गया था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है।

### 'घुसपैठिए तय नहीं करेंगे कौन PM-CM बनेगा' : अमित शाह

**नई दिल्ली।** शीतकालीन सत्र के दौरान बुधवार को लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा हुई। सरकार की ओर से गृह मंत्री अमित शाह ने चर्चा में भाग लिया। अमित शाह ने कहा कि एसआईआर पर चर्चा नहीं हो सकती है, क्योंकि चुनाव आयोग सरकार के

अधीन काम नहीं करता, वह एक स्वतंत्र संस्था है। कांग्रेस एसआईआर को लेकर झूठ फैला रही है। कांग्रेस की ओर से जो झूठ फैलाया गया है, मैं उसका जवाब दूंगा। अमित शाह ने विपक्ष को कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए यह भी कहा कि देश का प्रधानमंत्री और राज्य का मुख्यमंत्री घुसपैठिये तय नहीं करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि यह अधिकार केवल भारत के नागरिकों का है।

### लड़की बहिन योजना में 12,431 पुरुषों ने किया रजिस्ट्रेशन

**मुंबई/नागपुर।** महाराष्ट्र विधानसभा में बुधवार को महिलाओं के लिए मुख्यमंत्री माज़ी लड़की बहिन योजना में कथित भ्रष्टाचार को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। सरकार ने माना

कि करीब 8,000 राज्य कर्मचारियों को अयोग्य होने के बावजूद इस योजना के तहत मदद मिली। महिला और बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने यह भी बताया कि 12,000 से 14,000 ऐसी महिलाओं ने (जिनके बैंक खाते नहीं थे) अपने पतियों के खातों का इस्तेमाल करके इस योजना के तहत हर महीने 1,500 रुपए की रकम ली। मंत्री ने कहा कि इनमें से कई महिलाओं ने पहले ही दूसरी सरकारी योजनाओं का लाभ ले लिया था (जिससे वे लड़की बहिन मदद के लिए अयोग्य हो गईं), और कहा कि अगले दो महीनों में उनके खातों की जांच की जाएगी। मंत्री ने कहा, "राज्य के अलग-अलग विभागों के करीब 8,000 कर्मचारी लड़की बहिन योजना का लाभ लेते पाए गए हैं। वे ऐसा लाभ नहीं ले सकते।

## 6 साल में 30 लाख लोगों को कुत्तों ने काटा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में आवारा कुत्तों का आतंक चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को विधानसभा में चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि राज्य में पिछले छह वर्षों में कुत्तों के काटने के 30 लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं। यह समस्या शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में गंभीर रूप से बढ़ी है। 2021 से 2023 के बीच रेबीज़ से 30 लोगों की मौत हुई है। इस स्थिति को देखते हुए नगर निकायों को एनिमल बर्थ कंट्रोल और एंटी-रेबीज़ वैक्सीनेशन प्रोग्राम तेज़ करने का निर्देश दिया गया है।

- औसतन प्रतिदिन लगभग 1,369 मामले सामने आए
- साल 2021 से 2023 के बीच रेबीज से 30 लोगों की मौत
- उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधानसभा में दी जानकारी

### शहरी इलाकों में बढ़ी आवारा कुत्तों की संख्या

शिंदे ने यह बयान नागपुर में चल रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान शिवसेना (यूबीटी) के विधायक सुनील प्रभू के प्रश्न का जवाब देते हुए दिया। प्रभू ने कहा कि मुंबई, पुणे, नागपुर और कल्याण-डोंबिवली जैसे बड़े शहरों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ गई है और इसके कारण लोगों पर हमले भी बढ़े हैं।

### सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार कदम

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में कुत्तों के काटने के मामले बढ़े हैं। सुप्रीम कोर्ट के अगस्त 2024 के निर्देशों के तहत नगर निकायों को बर्थ कंट्रोल और वैक्सीनेशन अभियान तेज करने के आदेश दिए गए हैं। शहरी निकायों को 14 नवंबर और ग्रामीण निकायों को 27 नवंबर को दिशा-निर्देश भेजे गए हैं।

### पूरे राज्य में लागू हो रहे नियम

शिंदे ने बताया कि इस साल मार्च में जारी सरकारी आदेशों के बाद 'एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स-2023' अब पूरे राज्य में लागू किए जा रहे हैं। रेबीज़ पीड़ितों के परिवारों को मुआवज़े और आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी नियंत्रण में देरी पर उठे सवालों पर शिंदे ने कहा कि इस पर फिलहाल विचार नहीं किया जा रहा है।

### DBD इंफो

### हर साल लाखों लोग होते हैं शिकार

पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों को देखें तो एक साल में आवारा कुत्तों के काटने के मामले लाखों में हैं। इसमें बताया गया है कि बच्चे इसका सबसे ज्यादा शिकार हुए हैं। साथ ही मौत के आंकड़े भी जारी किए गए थे। जनवरी 2024 से लेकर दिसंबर 2024 तक कुत्ते के काटने के कुल 3717336 मामले सामने आए। यानी करीब 37 लाख से ज्यादा लोगों को कुत्तों ने काटा। पीआईबी के आंकड़ों के मुताबिक इसमें 2195122 मामले रूरल इलाकों से आए थे। इसी साल कुत्ते के काटने से 37 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, ज्यादातर मामले रेबीज के थे। मंत्रालय की तरफ से जारी रिपोर्ट के मुताबिक इसमें 519704 केस 15 साल से कम उम्र के बच्चों के थे, जिन्हें कुत्ते ने काट लिया था। ज्यादातर लोग ऐसे थे, जिन्होंने कुत्ते के काटने के तुरंत बाद रेबीज की वैक्सीन ले ली। जिसकी वजह से उनकी जान बच गई। महाराष्ट्र में 4 लाख 85 हजार से ज्यादा मामले सामने आए।

## जिला परिषद व महापालिका चुनाव मिलकर लड़ेगी महायुति

▸▸सीएम फडणवीस और राजस्व मंत्री बावनकुले ने की घोषणा

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

महाराष्ट्र में होने वाली जिला परिषद और महानगरपालिका चुनावों में महायुति एकजुट होकर मैदान में उतरेगी। राज्य के राजस्व मंत्री और भाजपा के स्थानीय स्वराज्य संस्था चुनाव प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि महायुति का लक्ष्य कुल 51 प्रतिशत मत हासिल कर चुनावी जीत सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ये चुनाव हम साथ मिलकर ही लड़ेंगे। इससे पहले महाराष्ट्र के मुख्यमतमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बड़ी घोषणा की। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हम (महायुति) मिलकर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन का चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने एकनाथ शिंदे की नाराजगी की चर्चाओं पर भी बात की और यह भी कहा कि हमारा गठबंधन 2029 के चुनाव में भी साथ रहेगा।

### मुंबई में समन्वय समिति तय करेगी सीटें

मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर भी भाजपा, शिवसेना और एनसीपी (अजित पवार) के बीच तैयारियां तेज हो गई हैं। बावनकुले ने बताया कि सीट बंटवारे के लिए भाजपा और शिवसेना के चार-चार प्रतिनिधि तथा महायुती के सदस्य मिलकर समन्वय समिति बनाएंगे। उन्होंने कहा कि विवादित सीटों पर वरिष्ठ स्तर पर चर्चा के बाद निर्णय लिया जाएगा। वहीं मुंबई के मेयर पद पर फैसला उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार मिलकर करेंगे। बावनकुले ने माना कि स्थानीय स्तर पर 5 से 10 प्रतिशत सीटों को लेकर कुछ मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उन स्थानों पर अंतिम निर्णय फडणवीस और शिंदे खुद लेकर महायुती की एकजुटता बनाए रखेंगे। उन्होंने कहा कि जिला स्तर के नेताओं को स्थानीय स्तर पर महायुती का मजबूत ढांचा तैयार करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

### अजित पवार महायुति का ही हिस्सा

राजस्व मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि उपमुख्यमंत्री अजित पवार महायुति का अभिन्न हिस्सा हैं और आने वाले चुनाव में पूरी तरह साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली बार कार्यकर्ताओं के बीच कुछ चुनाव संबंधित मतभेद हुए थे, लेकिन अब वो पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं। बावनकुले ने कहा कि हमारे बीच मनभेद कभी नहीं थे, बल्कि केवल चुनावी मतभेद थे।

## 'एफआईआर में पार्थ पवार का नाम क्यों नहीं'

▸▸पुणे जमीन घोटाले को लेकर बॉम्बे हाईकोर्ट ने लगाई फटकार, पुलिस की मंशा पर सवाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई हाईकोर्ट ने पुणे के एक विवादास्पद भूमि सौदे की पुलिस जांच पर बुधवार को तीखे सवाल उठाए और पूछा कि क्या अधिकारी उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार को प्राथमिकी में नामजद न करके उन्हें बचाने की कोशिश कर रहे हैं? न्यायमूर्ति माधव जामदार की एकल न्यायाधीश पीठ ने मामले में आरोपी व्यवसायी शीतल तेजवानी की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए अभियोजन पक्ष से तीखे सवाल पूछे। न्यायमूर्ति जामदार ने इस बात पर गौर किया कि संबंधित कंपनी में अधिकतम साझेदारी पार्थ पवार के पास है, बावजूद इसके उनका नाम प्राथमिकी में शामिल नहीं किया गया है।

## ई-चालान पर बनेगी नीति

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर विधान परिषद में बुधवार को कहा कि मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ती वाहनों की संख्या को ध्यान में रखते हुए ई-चालान जारी करने की नई नीति तैयार की जाएगी। इस नीति में आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जाएगा

और विभिन्न राज्यों एवं देशों में अपनाई गई प्रभावी पद्धतियों का अध्ययन किया जाएगा।

### अध्ययन समूह की स्थापना

इस दिशा में वरिष्ठ अधिकारियों की अध्यक्षता में एक अध्ययन समूह गठित किया जाएगा। इसका उद्देश्य वाहनों पर ई-चालान प्रक्रिया को प्रभावी और पारदर्शी बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समूह दोपहिया वाहनों और पार्किंग समस्याओं सहित पूरे शहर में यातायात नियोजन की समीक्षा करेगा।

### ई-चालान प्रक्रिया का सुधार

सदस्य सुनील शिंदे के प्रश्न पर राज्यमंत्री योगेश कदम ने कहा कि हवालदारों के लिए निजी मोबाइल फोन से फोटो लेकर ई-चालान जारी करने की अनुमति नहीं होगी। इसके बजाय, उन्हें विशेष कैमरे उपलब्ध कराने पर विचार किया जा रहा है। इससे चालान प्रक्रिया और अधिक सुरक्षित और नियंत्रित होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि लंबित दंड की वसूली में कठिनाइयों को देखते हुए लोक अदालत और अमनेस्टी योजना के माध्यम से 50 प्रतिशत तक दंड की वसूली की जाएगी।

## फर्जी जन्म प्रमाणपत्र रैकेट का भंडाफोड़

एजेंसी । मुंबई

मुंबई में फर्जी दस्तावेजों के सहारे जन्म प्रमाणपत्र जारी कराने का बड़ा घोटाला सामने आया है। मुलुंड पुलिस स्टेशन ने नजमा खातून, अशरफ अखबर खान, मोहम्मद अउसफ सिद्दीकी, गौसिया परवीन शेख समेत कई अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। चूंकि जन्म प्रमाणपत्र पहचान और नागरिकता से जुड़ा अहम दस्तावेज माना जाता है, इसलिए इस खुलासे के बाद प्रशासन में सनसनी फैल गई है। मुलुंड पुलिस के अनुसार आरोपी अलग-अलग फर्जी और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके जन्म प्रमाणपत्र हासिल करने का प्रयास कर रहे थे। यही नहीं, पुलिस ने इस मामले को भारतीय न्याय संहिता (BNS) की गंभीर धाराओं—336(3), 340(2), 318(4), 3(5)—के तहत दर्ज किया है। साथ ही जन्म पंजीकरण अधिनियम की धारा 23 के तहत भी मामला दर्ज हुआ है, जिसमें सरकारी रिकॉर्ड में गलत जानकारी देना और जालसाजी जैसे अपराध शामिल हैं। पूर्व सांसद और भाजपा नेता किरीट सोमैया ने इस घोटाले की शिकायत दर्ज कराई थी। उनका दावा है कि कुल 367 लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बर्थ सर्टिफिकेट लेने की कोशिश की।

**367 लोगों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बर्थ सर्टिफिकेट लेने की कोशिश की**

### टाइप-2 मधुमेह

## एम्स में 15 महीनों में 35 लोगों की सर्जरी की, मरीजों की शुगर की दवाएं भी छूटीं

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत में अनियंत्रित मधुमेह बड़ा संकट बन रहा है। यानी अधिकांश मरीजों की मधुमेह की दवाओं और लाइफ स्टाइल बदलने से भी ठीक नहीं हो रही है। एम्स दिल्ली के विशेषज्ञों ने बताया कि ऐसी अनियंत्रित मधुमेह की बीमारी में मेटाबोलिक (बेरिएट्रिक) सर्जरी मरीजों का न केवल जीवन बचा सकती है, बल्कि उनके जीवन को लंबा भी कर सकती है। दिल्ली एम्स में 15 महीनों में 35 लोगों की मेटाबोलिक सर्जरी की गई है। इनमें से अधिकांश मरीज ऐसे हैं जिनकी शुगर की दवाएं या तो पूरी तरह छूट गई है।

### इंफो

- देश में करीब 70 मिलियन लोग मधुमेह से पीड़ित
- लाखों लोग दवाओं के बावजूद खतरनाक स्तर के मधुमेह के साथ जी रहे जीवन

### इस इलाज से लोग अनजान

एम्स के सर्जरी विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. मंजूनाथ ने बुधवार को बताया कि भारत मधुमेह ही नहीं अनियंत्रित मधुमेह (जो दवाओं से भी नियंत्रित न हो) की भी वैश्विक राजधानी बनता जा रहा है। लंबे समय तक अनियंत्रित मधुमेह रहना बेहद खतरनाक है और इसकी वजह से किड़नी फेल्योर, दिल का दौरा, स्ट्रोक, अंधापन और अंग विच्छेदन जैसी समस्याओं का कारण बन स कता है।

### ऐसे काम करती है सर्जरी?

एम्स के विशेषज्ञ प्रोफेसर डॉ. मंजूनाथ ने बताया कि इस सर्जरी के तहत मरीज के पेट का आकार उसमें एक पाइप डालकर छोटा कर दिया जाता है। इस पाइप को 160 से 200 सेंटीमीटर आगे ले जाकर आंतों में जोड़ दिया जाता है। उन्होंने बताया कि यह मरीज के बीएमआई पर निर्भर करती है कि उसमें आंतों की लंबाई कितनी कम की जाएगी। इसके बाद मरीज के खाने में ग्राहलिन, लैपटाइन और जीआईपी जैसे एंटी इंक्रीटिन हार्मोन कम मात्रा में मिल पाते हैं। ग्राहलिन हार्मोन कम होने जाने की वजह से भूख भी कम लगती है।

# ओ री चिरैया, नन्ही गौरैया अंगना में फिर आजा रे

## मीरा-भाईंदर में खतरे में गौरैया का अस्तित्व

विनय दूबे । भाईंदर

कभी घरों के आंगन और इंसानी बस्ती के आसपास फुदकने वाली गौरैया अब बहुत कम देखने को मिल रही है। ग्रामीण इलाकों में नन्हीं गौरैया तो फिर भी कभी कभार देखने को मिल जाती है लेकिन मुंबई जैसे देश के महानगरों में अब गौरैया देखने को नहीं मिल रही है। दरअसल गौरैया एक ऐसी चिड़िया है जो इंसानों के साथ रहना पसंद करती है। लेकिन जब इंसानों ने अपनी जीवनशैली में बदलाव किया तो गौरैया के अस्तित्व पर खतरा खड़ा हो गया। ग्रामीण इलाकों में गौरैया की स्थिति तो फिलहाल थोड़ी ठीक-ठाक है लेकिन शहरी जीवनशैली में आए बदलाव और कंक्रीट के बनते मकानों के चलते गौरैया का आशियाना तहस-नहस हो गया। ऐसे में गौरैया आशियाना नहीं मिलने और पर्याप्त भोजन की व्यवस्था नहीं होने के चलते पलायन कर गई। बात मीरा-भाईंदर शहर की करें तो तेजी से हो रहे आधुनिकीकरण ने नन्ही चिड़िया गौरैया की चहचहाहट को लगभग छीन लिया है। समय रहते संरक्षण के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो शहर से गौरैया पूरी तरह लुप्त हो सकती है।

### हरित क्षेत्र घटा, गौरैया भी हुई कम

कुछ वर्ष पहले तक शहर में घरेलू गौरैया की मधुर चहचहाहट आम बात थी, लेकिन विकास कार्यों के कारण पेड़ कटते गए, हरित क्षेत्र घटता गया और बढ़ते प्रदूषण का असर न केवल नागरिकों बल्कि गौरैया के जीवन पर भी पड़ा। आज यह चिड़िया विलुप्ति के कगार पर है और उसकी अनुपस्थिति शहर की शांति में भी कमी ला रही है।

### शहरीकरण और प्रदूषण बड़े कारण

आधुनिक निर्माण, प्रदूषण (विशेषकर मोबाइल टावरों का रेडिएशन), कीटनाशकों का उपयोग और भोजन व घोंसले की कमी के चलते गौरैया का प्राकृतिक आवास नष्ट हुआ है। राज्य स्तर पर पेड़ों की कटाई रोकने और सुरक्षित आवास व भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन शहर में इसका पालन न होना चिंताजनक है।

### पर्यावरण संतुलन में अहम भूमिका: शाह

अहिंसा चैरिटेबल के संस्थापक कौशल शाह के अनुसार, घर में गौरैया का आना शुभ माना जाता है और यह पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पिछले सात वर्षों में गौरैया की संख्या सबसे अधिक प्रभावित हुई है और एमबीएमसी व वन विभाग को मिलकर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

### निर्देशों का उल्लंघन

गौरैया संरक्षण को लेकर दिए गए निर्देशों का एमबीएमसी द्वारा लगातार उल्लंघन किया जा रहा है। विश्व स्तर पर हर साल 20 मार्च को 'विश्व गौरैया दिवस' मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 2010 में हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों में जागरूकता बढ़ाना है, लेकिन मीरा-भाईंदर में प्रशासन द्वारा यह पहल शायद ही कभी की गई हो। सार्वजनिक स्थानों और उद्यानों में कृत्रिम घोंसले लगाना तथा भोजन-पानी की व्यवस्था करना प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

### प्रशासन की भूमिका जरूरी: सुवर्णा

पूर्व नगरसेवक रोहित सुवर्णा का कहना है कि बढ़ता वायु प्रदूषण और मोबाइल टावरों से निकलने वाला विकिरण गौरैया की प्रजनन क्षमता और जीवन पर गहरा असर डाल रहा है। कीटनाशक और पेड़ों की कमी से भोजन व आवास लगभग खत्म हो गया है। संयुक्त जनजागरण अभियान चलाकर ही गौरैया की मीठी चहचहाहट को वापस सुनने का रास्ता बनाया जा सकता है।

# महाराष्ट्र विधानसभा ने पास किया 'जन विश्वास (संशोधन) एक्ट, 2025'

डीबीडी संवाददाता । नागपुर/मुंबई

महाराष्ट्र राज्य विधानसभा ने बुधवार को महाराष्ट्र जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) एक्ट, 2025 को बिना किसी विरोध के मंजूर कर दिया। यह बिल राज्य में ट्रस्ट-आधारित गवर्नेंस को मजबूत करने, छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से हटाकर उन्हें तर्कसंगत बनाने और व्यवसाय करने में आसानी लाने के उद्देश्य से लाया गया है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार ने इसे पेश किया।

### जेल से सिविल पेनल्टी तक

बिल में छोटे और तकनीकी उल्लंघनों के लिए जेल की सजा को सिविल पेनल्टी या जुर्माने में बदलने का प्रस्ताव रखा गया है। इसका उद्देश्य न्यायिक और प्रवर्तन एजेंसियों पर दबाव कम करना और नागरिकों व व्यवसायों के लिए लागत घटाना है। गंभीर अपराधों के लिए सजा यथावत रहेगी, जबकि पुराने और नॉन-कम्प्लायंस से जुड़े छोटे उल्लंघनों को डीक्रिमिनलाइज किया गया है।

### विभिन्न कानूनों में संशोधन

बिल में महाराष्ट्र शॉप्स एंड एस्टैब्लिशमेंट्स एक्ट, महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल रिलेशंस एक्ट, महाराष्ट्र स्टैम्प ड्यूटी एक्ट, महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल एक्ट, महाराष्ट्र ट्रेड यूनियन्स एक्ट और महाराष्ट्र नर्सिंग होम्स रजिस्ट्रेशन एक्ट समेत कई कानूनों में संशोधन प्रस्तावित हैं। एनसीपी (एसपी) विधायक और पूर्व वित्त मंत्री जयंत पाटिल ने बिल का स्वागत किया, साथ ही निवेशकों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कानून बनाने की मांग भी उठाई।

## न्यूज ब्रीफ

### केवल एक उम्मीदवारों ने वापस लिया नामांकन

अंबरनाथ। अंबरनाथ नगर परिषद चुनावों के संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, बुधवार को अंबरनाथ में केवल एक उम्मीदवार ने अपना नामांकन वापस लिया। वहीं, कुलगांव बदलापुर के पांच वार्डों में भाजपा के एक बागी निर्दलीय उम्मीदवार ने भी अपना नामांकन वापस कर दिया। अंबरनाथ शहर और बदलापुर के पांच वार्डों में मतदान 20 दिसंबर को होगा, जबकि मतगणना अगले दिन 21 दिसंबर को होगी। अंबरनाथ में महापौर पद के लिए 8 उम्मीदवार मैदान में हैं। अंबरनाथ और कुलगांव बदलापुर के छह वार्डों में 29 नवंबर को चुनाव स्थगित कर दिए गए थे। स्थगन का कारण अदालत में दायर याचिकाओं की सुनवाई में देरी और उम्मीदवारों को आवेदन वापस लेने के लिए कम समय मिलना था। इसके बाद, चुनाव आयोग ने संशोधित कार्यक्रम जारी किया, जिसमें केवल उन्हीं वार्डों के उम्मीदवारों को आवेदन वापस लेने का अवसर दिया गया, जिनमें याचिका दायर की गई थी।

### स्वास्थ्य विभाग के फार्मासिस्ट अनिल शिरपूरकर को कारण बताओ नोटिस जारी

कल्याण। कल्याण डोम्बिवली नगरपालिका के चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग में फार्मासिस्ट के रूप में कार्यरत होने के बावजूद, अनिल वसंतराव शिरपूरकर ने डोम्बिवली देसालेपाड़ा स्थित लोढ़ा हेरिटेज कॉम्प्लेक्स में अपने स्वामित्व वाले गोदाम को नगरपालिका के स्वास्थ्य संवर्धन केंद्र को किराए पर देकर और उसके माध्यम से किराया वसूल कर महाराष्ट्र सिविल सेवा आचरण नियम, 1979 की धारा 17(2) का उल्लंघन किया है। इस प्रकार उन्होंने नगरपालिका से वेतन और किराए दोनों का दोहरा लाभ प्राप्त किया है। इसी कारण आयुक्त अभिनव गोयल ने बुधवार को फार्मासिस्ट अनिल वसंतराव शिरपुरकर को कारण बताओ नोटिस जारी किया। फार्मासिस्ट शिरपुरकर को इस नोटिस के जारी होने के तीन दिनों के भीतर सामान्य प्रशासन विभाग को अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना होगा। आयुक्त गोयल ने शिरपुरकर को चेतावनी दी है कि यदि वे निर्धारित समय के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

### अस्पताल की लिफ्ट गिरने से चार लोग घायल

ठाणे। पाचपाखाडी इलाके में बुधवार को एक अस्पताल में हाइड्रोलिक लिफ्ट गिरने से चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना पाचपाखाडी के धर्मवीर नगर रोड पर स्थित एक टावर की पहली मंजिल पर हुई। घायलों में तन्मय पाटिल (20), शुभांगी पाटिल (41), ज्योतिका पाटिल (60) और केनकेय बेजगम शामिल हैं। बेजगम की उम्र का पता नहीं चल पाया है। पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, बुधवार को शाम करीब 4.20 बजे चारों लिफ्ट से जा रहे थे, तभी लिफ्ट की चेन टूट गई और लिफ्ट पहली मंजिल से भूतल पर गिर गई।

# दिव्यांग बच्चों को मुख्य धारा में लाने के लिये तत्पर: डीएम

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे जिला प्रशासन ने विशेष अथवा दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रति अपने समर्थन का भरोसा दोहराया। ठाणे जिला अधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने वर्ल्ड डिसेबल्ड डे के अवसर पर कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए उपलब्ध योजनाओं का लाभ उन्हें हमेशा मिलेगा। ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की ओर से राम गणेश गडकरी रंगायतन में वर्ल्ड डिसेबल्ड डे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर उमेश बिरारी, दिव्यांग कला प्रतिष्ठान की किरण नकटी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

### दिव्यांग बच्चों की प्रस्तुति

डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने दिव्यांग कला केंद्र और ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की पहल की तारीफ़ की, जो बच्चों को मेनस्ट्रीम में लाने और उनके टैलेंट को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई। बच्चों ने डांस, सिंगिंग और ग्रुप परफॉर्मेंस के जरिए अपनी प्रतिभा दिखाई और ऑडियंस का मन मोह लिया। इस साल कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पर्यावरण आधारित 'वृक्षवल्ली अम्हा सोयरी' था। 'मी निसर्ग बोलतोय' नाटक के जरिए बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में कई स्टूडेंट्स ने अलग-अलग गाने और नृत्य प्रस्तुत किए, जिसमें उनका आत्मविश्वास और लगन साफ दिखाई दी। ठाणे शहर में दिव्यांगों के लिए काम करने वाली विभिन्न संस्थाओं को डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन विविध कलाओं और प्रदर्शनियों के साथ हुआ, जिससे बच्चों के समर्पण और प्रतिभा को सराहा गया।

# ईवी मालिकों की बल्ले-बल्ले, नहीं लगेगा टोल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए भाजपा नीत महायुति सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब ईवी वाहन चालकों को मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे, नागपुर-मुंबई समृद्धि महामार्ग और अटल सेतु पर टोल नहीं देना होगा। यह व्यवस्था अगले हफ्ते तक पूरी तरह से लागू हो जाएगी। इतना ही नहीं, 22 अगस्त के बाद इन सड़कों पर ईवी वाहनों से लिए गए टोल का पैसा भी वापस किया जाएगा, बशर्ते वाहन मालिक को टोल भुगतान की रसीद या प्रमाण जमा करना होगा। महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने बुधवार को सरकार को स्पष्ट आदेश दिए हैं कि EV पॉलिसी 2025 के तहत तय की गई टोल माफी को पूरी तरह लागू किया जाए और जहां भी गलत तरीके से टोल वसूला गया है, उसे वापस किया जाए। इस मुद्दे पर सवाल उठने के बाद मंत्री दादा भूसे ने माना कि पॉलिसी लागू होने के बावजूद कुछ इलेक्ट्रिक वाहन से टोल वसूले गए है।

### ईवी नीति लागू, फिर भी कटा टोल

प्रश्नकाल के दौरान विधायकों ने तीन प्रमुख सड़कों पर ईवी के लिए घोषित टोल माफी को लेकर सवाल उठाए। इस पर मंत्री दादा भूसे ने बताया कि राज्य सरकार ने 23 मई को EV पॉलिसी की घोषणा की थी और इसे 22 अगस्त से लागू कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि टोल माफी का लाभ पाने के लिए EV की FASTag का वाहन डेटाबेस 'VAHAN' से लिंक होना जरूरी है। इसी प्रक्रिया को पूरी तरह लागू करने में समय लग रहा था, इसलिए कुछ मामलों में टोल कटौती हुई। इसके बाद स्पीकर ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अगस्त से नीति लागू होने के बाद किसी भी EV से टोल लेना अवैध है। उन्होंने सरकार को निर्देश दिया कि आठ दिनों के भीतर पूरी व्यवस्था तैयार कर ली जाए और एक भी ईवी से टोल नहीं लिया जाए।

### टोल रिफंड के दिए निर्देश

स्पीकर नार्वेकर ने यह भी कहा कि 22 अगस्त के बाद जिन ईवी मालिकों से टोल वसूला गया है, उनका पैसा वापस किया जाए। इसके लिए एक सुचारु सिस्टम स्थापित किया जाए, जहां वाहन मालिक प्रमाण जमा कर रिफंड प्राप्त कर सकेंगे। इस पर मंत्री भूसे ने आश्वस्त किया कि सरकार उनके निर्देशों को पूरी तरह से लागू करेगी और ईवी मालिकों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

# अभ्युदय नगर के रीडेवलेपमेंट को मिली हरी झंडी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

दक्षिण मुंबई के कालाचौकी स्थित अभ्युदय नगर के लोगों के लिए अच्छी खबर है। 48 इमारतों के पुनर्विकास के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो रही है और अब निवासियों को 641 वर्ग फीट के नए फ्लैट मिलने की संभावना है।

### रिहायशी मांगों का किया गया सम्मान

पहले निवासियों को 499 वर्ग फीट के फ्लैट देने का प्रस्ताव था, लेकिन उन्होंने 650 वर्ग फीट की मांग की। इसके बाद म्हाडा ने 635 वर्ग फीट के फ्लैट के अनुसार टेंडर आमंत्रित किए। डेवलपर्स ने 635 वर्ग फीट का फ्लैट देना चुनौतीपूर्ण बताया, जिसके बाद राज्य सरकार ने 620 वर्ग फीट के फ्लैट के लिए टेंडर आमंत्रित करने का निर्देश दिया।

### अंतिम निर्णय जल्द

अब टेंडर को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। दोनों योग्य कंपनियों में से एक ने 641 वर्ग फीट के फ्लैट देने के साथ रीडेवलेपमेंट करने की तैयारी दिखाई है। जल्द ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि कौन सा डेवलपर परियोजना को संभालेगा।

### टेंडर में कंपनियों की भागीदारी

म्हाडा अधिकारियों के अनुसार, तीन कंपनियों — महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स, एमजीएन एग्रो प्रॉपर्टीज और ओबेरॉय रियल्टी — ने तकनीकी निविदाएं प्रस्तुत की थीं। इसमें से एक कंपनी को खारिज कर दिया गया और दो कंपनियां वित्तीय निविदा में योग्य पाई गईं।

### म्हाडा ने भेजा मंजूरी प्रस्ताव

अभ्युदय नगर का रीडेवलेपमेंट प्रस्ताव लंबे समय से रुका हुआ था। म्हाडा के मुंबई बोर्ड ने टेंडर मंगाए थे और दो कंपनियों ने फाइनेंशियल टेंडर में क्वालिफाई किया। प्रस्ताव को कुछ दिनों पहले राज्य सरकार से मंजूरी के लिए भेजा गया था।

# चावल खरीद घोटाले में एनसीपी नेता के भतीजे की गिरफ्तारी

डीबीडी संवाददाता । शहापुर

शहापुर से एनसीपी (अजीत पवार गुट) के विधायक दौलत दारोदा के भतीजे हरीश दारोदा को ठाणे ग्रामीण पुलिस की आर्थिक अपराध जांच शाखा ने गिरफ्तार किया है। उन्हें आदिवासी विकास निगम में चावल खरीद घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। दिसंबर 2023 में किन्हावली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था, जिसमें पांच हजार क्विंटल चावल के गबन का आरोप है।

### अजीत पवार गुट में हाल ही में शामिल

हरीश दारोदा हाल ही में अजीत पवार गुट में शामिल हुए थे। उनके गिरफ्तारी के बाद चर्चाएँ तेज हो गई हैं कि शाहपुर का आदिवासी विकास महामंडल चावल खरीद में भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया है। पिछले दो-तीन वर्षों में लगभग 16 करोड़ रुपये के चावल खरीद घोटाले का खुलासा हुआ है।

### सकादबाव केंद्र में 1.5 करोड़ का फर्जीवाड़ा

सकादबाव केंद्र में 1.5 करोड़ रुपये के चावल खरीद घोटाले का मामला भी सामने आया था। इसमें हरीश दारोदा, सचिव संजय पांधारे, केंद्र प्रमुख जयराम सोगिर और अन्य अधिकारियों पर किसानों के फर्जी चालान बनाकर सरकार और आदिवासी विकास निगम को 1.5 करोड़ रुपये का नुकसान पहुँचाने का आरोप है। पुलिस ने बताया कि यह मामला दो साल पहले दर्ज किया गया था और हरीश दारोदा को इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

# धर्मदाय संस्था में नियुक्ति प्रक्रिया में संशोधन संबंधी विधेयक मंजूर

**नागपुर/मुंबई।** धर्मदाय संस्थाओं के नियुक्ति प्रक्रिया में संशोधन संबंधी विधेयक विधानसभा में मंजूर किया गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार नियमों में बदलाव किया जाएगा। अभ्यार्थी के लिए 55 प्रतिशत अंक की अनिवार्यता नहीं रखने से नियुक्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। मंगलवार को वित्त राज्यमंत्री आशीष जैस्वाल ने सार्वजनिक व धर्मदाय संस्था में नियुक्ति संबंधी विधेयक क्रमांक 95 मंजूरी के लिए रखा। लेकिन सदन में सत्तापक्ष व विपक्ष के कुछ सदस्यों ने शैक्षणिक योग्यता संबंधी संशोधन पर सवाल उठाया था। भाजपा सदस्य सुधीर मुनगंटीवार, योगेश सागर व राकांपा एसपी के जयंत पाटील ने सवाल उठाए। लिहाजा विधेयक को मुख्यमंत्री के जवाब के लिए रोककर रख दिया गया।

# तपोवन को बचाने की उम्मीद फिर से जगी

## मुख्यमंत्री ने लिया तत्काल संज्ञान, प्रस्ताव फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को भेजा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे/नासिक

पर्यावरणविद डॉ. प्रशांत रवींद्र सिनकर द्वारा नासिक के तपोवन क्षेत्र में कुंभ मेले के लिए प्रस्तावित पेड़ कटाई के खिलाफ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सौंपे गए विस्तृत मेमोरेंडम पर सरकार ने तुरंत कदम उठाया है। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस मेमोरेंडम को फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को भेजते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। तपोवन को 'नासिक का फेफड़ा' माना जाता है, और यहां पेड़ों की कटाई के प्रस्ताव के सामने आने से स्थानीय नागरिक और पर्यावरण प्रेमी आक्रोशित थे।

### दोबारा पर्यावरणीय दृष्टि से होगी समीक्षा

फॉरेस्ट विभाग को मिले निर्देशों के अनुसार अब इस पूरे प्रस्ताव की पर्यावरणीय समीक्षा प्रक्रिया दोबारा शुरू की जाएगी, जिससे अंतिम निर्णय तक प्रक्रिया पारदर्शी और वैज्ञानिक आधार पर हो सके। इस कदम के बाद पर्यावरण प्रेमियों में राहत और खुशी का माहौल है। डॉ. सिनकर ने कहा कि कुंभ मेले जैसी आस्था से जुड़ी परंपरा का सम्मान हो, पर प्रकृति की कीमत पर नहीं। नागरिकों का मानना है कि सरकार, स्थानीय लोगों और एक्सपर्ट्स के सहयोग से ही तपोवन की हरियाली को सुरक्षित रखने की दिशा मजबूत होगी।

# वसई की विधायक के 'कार्य रिपोर्ट 2024-25' का मुख्यमंत्री ने किया विमोचन

ओपी यादव । वसई

वसई विधानसभा क्षेत्र की विधायक स्नेहा दुबे-पंडित के शपथ लेने की पहली वर्षगांठ के अवसर पर उनके एक वर्ष में किए गए विकास कार्यों की जानकारी देने वाली 'कार्य रिपोर्ट 2024-25' का नागपुर में प्रकाशन किया गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस रिपोर्ट का विमोचन किया, जबकि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को भी यह रिपोर्ट सौंपी गई।

### विधायक ने व्यक्त किया आभार और प्रतिबद्धता जताई

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने वसई के नागरिकों और सभी सरकारी तंत्रों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वसई के सर्वांगीण विकास के लिए पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी ढंग से काम करने की उनकी प्रतिबद्धता जारी रहेगी। यह रिपोर्ट क्षेत्र की समावेशी प्रगति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

### विकास के विभिन्न क्षेत्रों में पहलों का समावेश

रिपोर्ट में वसई क्षेत्र में बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल कल्याण, सार्वजनिक सेवाएं, सुरक्षा और नागरिकों के साथ संवाद जैसे क्षेत्रों में किए गए महत्वपूर्ण कार्यों को शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट पिछले एक वर्ष के कार्यों का पारदर्शी रिकॉर्ड प्रस्तुत करती है और क्षेत्र की समग्र प्रगति को दर्शाती है।

# जल संधारण विभाग में टेंडर घोटाला

**डीसीएम एकनाथ शिंदे ने एसआईटी जांच की घोषणा की**

**अनिल परब ने उठाया था मामला**

**नागपुर/मुंबई।** विधानसभा में विप सदस्य अनिल परब ने राज्य के जल संधारण विभाग में टेंडरों में व्यापक भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन ठेकेदारों की बिड कैपेसिटी नहीं थी, उन्हें भी कई गुना रेट पर ठेके दिए गए। उदाहरण के तौर पर उन्होंने सारंगवाड़ी (बुलढाना) और वैभववाड़ी (सिंधुदुर्ग) के कार्यों में हुई अनियमितताओं का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि 10 करोड़ की निविदा को 80 करोड़ तक बढ़ा दिया गया।

### बजट और प्रशासनिक मंजूरी में गड़बड़ी

अनिल परब ने आरोप लगाया कि बजट में 2,000 करोड़ रुपए का प्रावधान होने के बावजूद 18,000 करोड़ की प्रशासनिक मंजूरी दी गई। उन्होंने विभाग के संचालक सुनील कुशिरे पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अधिवेशन में आने से कतराते हैं और बाहर लोगों से कहते हैं कि "पूरा विधानमंडल मेरी जेब में है।" उन्होंने ऐसे अधिकारी को निलंबित करने और एसआईटी जांच की मांग की। जल संधारण मंत्री संजय राठौड़ ने बताया कि एसीबी जांच चल रही है और आरोपी अधिकारी का तबादला कर साइड कर दिया गया।

# मालवणी मनपा स्कूल टीचर भर्ती घोटाले के जांच के आदेश

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई के मालाड पश्चिम स्थित 'मुंबई पब्लिक मालवणी टाउनशिप स्कूल' में एक निजी संस्था द्वारा अयोग्य शिक्षकों की नियुक्ति किए जाने का गंभीर आरोप सामने आया है। नागपुर विधानसभा में यह मुद्दा उठने के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री दादाजी भुसे ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

### नीति के अनुसार हुई भर्ती: सरकार

विधानसभा में चर्चा के दौरान राज्यमंत्री माधुरी मिसाल ने कहा कि सभी नियुक्तियां बीएमसी की नीति के अनुसार हुई हैं और अभिभावकों के साथ हुई गलतफहमियां भी दूर कर दी गई हैं। हालांकि, कांग्रेस विधायक असलम शेख टीईटी की अनिवार्यता के मुद्दे पर लगातार सवाल उठाते रहे।

### टीईटी पास शिक्षकों का ट्रांसफर, अयोग्यों की नियुक्ति

कांग्रेस विधायक असलम शेख ने आरोप लगाया कि स्कूल में टीईटी पास योग्य शिक्षकों को मनमाने तरीके से ट्रांसफर कर अयोग्य टीचरों को नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया बीएमसी स्कूल में पढ़ रहे छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट और आरटीई कानून के नियमों का भी उल्लंघन किया गया है।

### 2013 से टीईटी/सीटीईटी अनिवार्य, फिर भी नियमों की अनदेखी

शेख ने दावा किया कि प्राइमरी से लेकर सेकेंडरी तक की कक्षाएं एक निजी संस्था को सौंप दी गईं, जबकि 2013 से टीईटी या सीटीईटी पास करना शिक्षक भर्ती के लिए अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्रमाणित नियमों को दरकिनार कर भर्ती की गई है, इसलिए विस्तृत जांच जरूरी है।

# उबाठा गुट के ढोंगी हिन्दुत्व का पर्दाफाश : बन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

1 दिसंबर को न्यायमूर्ति स्वामीनाथन ने मदुरै स्थित मंदिर में 'तिरुपरनकुंद्रम दीपम' प्रज्वलन की पारंपरिक प्रथा को फिर से शुरू करने का निर्देश दिया। इस फैसले के खिलाफ उबाठा गुट के एक सांसद ने संसद में महाभियोग लाने के लिए हस्ताक्षर किए, जिससे विवाद खड़ा हो गया। भाजपा के मीडिया प्रमुख नवनाथ बन ने इसे हिंदू-विरोधी मानसिकता का प्रमाण बताते हुए तीखा विरोध जताया।



### उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया पर सवाल

बन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल उठाया कि क्या उद्धव ठाकरे अपने सांसद की इस हिंदू-विरोधी भूमिका से सहमत हैं और इस पर कोई कार्रवाई करेंगे या नहीं। उन्होंने चुनौती दी कि उद्धव ठाकरे को पार्टी की आधिकारिक भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए, नहीं तो उनके हिंदुओं के प्रति प्रेम पर सवाल उठेंगे।

### बाला साहेब के विचारों का अपमान

उबाठा गुट के सांसद की इस भूमिका को लेकर बन ने कहा कि यह स्वर्गीय बाला साहेब ठाकरे और उनके कट्टर शिवसैनिकों को कतई स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के कुछ नेता अब खुलेआम हिंदुत्व-विरोधी ताकतों के साथ खड़े हैं, जबकि बाला साहेब ने अपना जीवन हिंदुत्व के संरक्षण में लगाया था। बन ने कहा कि हिंदुत्व की ज्योति बुझाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है, लेकिन आने वाले चुनावों में सूझबूझ वाले मतदाता ही ऐसे लोगों की 'मशाल' बुझा देंगे।

### महायुति सरकार की पारदर्शिता पर जोर

भ्रष्टाचार के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए बन ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार में भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई होती है। उन्होंने महाविकास आघाड़ी दलों पर कोविड काल में भ्रष्टाचार के आरोपों को निराधार बताया और सरकार की पारदर्शिता का दावा किया।

# सफाई कर्मियों की समस्याओं को लेकर विधानसभा में उठा मुद्दा



**मुंबई।** मुंबई महानगरपालिका (एमसीजीएम) में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों और कठिनाइयों को सोमवार के विधानसभा सत्र में कांग्रेस विधायक अमीन पटेल ने जोरदार तरीके से उठाया। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ रखने में दिन-रात मेहनत करने वाले सफाई कर्मचारियों को सम्मान, सुरक्षा और उचित अधिकार मिलना एमसीजीएम की जिम्मेदारी है। अमीन पटेल ने सदन में कहा कि सफाई कर्मचारियों को आज भी अनुबंध व्यवस्था के जरिये शोषण का सामना करना पड़ता है, जबकि उन्हें नगर निगम के नियमित कर्मचारियों के बराबर वेतन और सुविधाएँ मिलनी चाहिए।

### उठाए गए प्रमुख मुद्दे

- मुंबई में कचरा संग्रहण सेवा मुफ्त हो, इसका खर्च नागरिकों पर न डाला जाए।
- सफाई कर्मचारियों की सीधी नियुक्ति एमसीजीएम द्वारा हो, ठेकेदारी सिस्टम खत्म किया जाए।
- सफाई कर्मचारियों को एमसीजीएम कर्मचारियों के बराबर वेतन और अन्य लाभ मिले।
- लाड-पागे समिति के प्रस्ताव अनुसार सफाई कर्मियों को मालिकाना आवास उपलब्ध कराया जाए।

# 12 और 13 दिसंबर को पानी कटौती

## बीएमसी ने बड़े पाइपलाइन काम की घोषणा की

देवेंद्रनाथ जैस्वार | मुंबई

मुंबई में आने वाले 12 और 13 दिसंबर को शहर के कई हिस्सों में 24 घंटे पानी बंद रहेगा। बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (BMC) ने पाइपलाइन कनेक्शन का काम शुरू किया है। शटडाउन शुक्रवार सुबह 9 बजे से शुरू होकर शनिवार सुबह 9 बजे तक जारी रहेगा। इसके चलते के-ईस्ट, एच-ईस्ट और जी नॉर्थ वार्ड के कई इलाके प्रभावित होंगे। BMC के अधिकारियों ने बताया कि यह शटडाउन मुख्य पाइपलाइनों को जोड़ने और सप्लाई सिस्टम की विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए जरूरी है। कुछ इलाकों में इस दौरान पानी का प्रेशर कम रहेगा, खासकर के-ईस्ट वार्ड में।

### मुख्य पाइपलाइनों का अपग्रेड



बीएमसी के बयान के अनुसार, इस काम में 1800 mm तानसा वेस्ट वॉटर मेन, 1200 mm वॉटर मेन, 2400 mm वैतरणा वॉटर मेन और G/नॉर्थ वार्ड में 1500 mm वॉटर मेन शामिल हैं। इन अपग्रेड से पूरे शहर के पानी वितरण नेटवर्क को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

**प्रभावित इलाके – G/नॉर्थ वार्ड**

12 दिसंबर को धारावी लूप रोड, A.K.G. नगर, धारावी मेन रोड, गणेश मंदिर रोड, दिलीप कदम रोड, जैस्मीन मिल रोड और माहिम फाटक प्रभावित होंगे। 13 दिसंबर को जैस्मीन मिल रोड, माटुंगा लेबर कैंप, संत रोहिदास रोड, 60 फीट रोड, 90 फीट रोड, संत कक्किया रोड, M.P. नगर और महात्मा गांधी रोड में पानी की कमी रहेगी।

# चलती ट्रेन में व्यापारी के 5.5 करोड़ के सोने के गहने चोरी

**मुंबई।** सोलापुर-मुंबई सिद्धेश्वर एक्सप्रेस में बड़ा चोरी कांड सामने आया है। ट्रेन के एसी कोच में सफर कर रहे एक व्यापारी के बैग से करीब 5.5 करोड़ रुपये के सोने के गहने चोरी होने की घटना से रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। पीड़ित व्यापारी अभय जैन ने कल्याण लोहमार्ग पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक व्यापारी अभय जैन (52), जो मुंबई के गोरेगांव में रहते हैं और सोना-चांदी का व्यवसाय करते हैं, 8 दिसंबर को अपनी बेटी के साथ यात्रा कर रहे थे। उनके बैग में लगभग साढ़े चार किलो सोने के आभूषण रखे हुए थे। इसी दौरान कर्जत और कल्याण स्टेशन के बीच बैग चोरी हो गया। घटना का पता चलते ही जैन ने तुरंत कल्याण लोहमार्ग पुलिस को सूचना दी और अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। मामला दर्ज होते ही रेलवे क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि चोरी को पूरी योजना के साथ अंजाम दिया गया। पुलिस अधिकारी पंढरी कांडे के अनुसार, कर्जत-कल्याण रेलवे लाइन पर लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है।



## बृहन्मुंबई महानगरपालिका

### ई - निविदा सुचना

| | |
|---|---|
| खाता - विभाग | मुख्य अभियंता (मल निःसारण प्रचालन) |
| उप - विभाग | कार्यकारी अभियंता (मप्रचाः) पु. उप.मलाड उप. केंद्र |
| ई - निविदा क्र. | 2025_MCGM_1257083_1 |
| विषय | मलाड पंपिंग स्टेशन पर पंप नंबर 204 के पंप चेक वाल्व (पी.सी.वी.) की मरम्मत के संबंध में। |
| निविदा वितरण एवं विक्रय दिनांक | 10.12.2025 को सुबह 11.00 बजे से दिनांक 17.12.2025, सोमवार, शाम 4 बजे |
| वेबसाइट | यदि इस ई-निविदा में कोई संशोधन या शुद्धिपत्र जारी किया जाता है, तो उसका विवरण https://mahatenders.gov.in पर प्रकाशित किया जाएगा, बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे इसका ध्यान रखें। |
| अ) संपर्क अधिकारी | श्री जितेंद्र पाबारेकर, श्री प्रवीण आयरे |
| b) मोबाइल नं. | 9869253669 9322036428 |
| क) ई मेल | eemechsws.so@mcgm.gov.in |

पीआरओ/ 2583 /विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
कार्य. अभि. (मप्रचाः) प. उप. मालाड उ. केंद्र

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

# सरकार हमें गोली मार दे या जीने का अधिकार दे: पारधी समुदाय

**मुंबई।** मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की कार्रवाई और पुलिस के कथित अमानवीय व्यवहार के खिलाफ पारधी समुदाय के लोगों ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना पक्ष रखा। गीता काले ने सवाल उठाया कि क्या हम इस देश के नागरिक नहीं हैं? पारधी होने के नाते हमें जीने या न जीने का क्या अधिकार दिया जा रहा है। विले पार्ले समेत कई जगहों से आए लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस और नगर निगम सड़कों पर रहने वाले इन परिवारों को बेदखल कर रही है, जबकि वे नालियों की सफाई और नगर निगम के अन्य कार्यों में योगदान दे रहे हैं।

### बोरीवली में 55 झोपड़ियाँ ढहाने का आरोप, बच्चों की पढ़ाई पर असर




पारधी समुदाय के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि 2 दिसंबर को बोरीवली के चिकुवाड़ी इलाके में 55 परिवारों की झोपड़ियाँ ठंड के मौसम में तोड़ी गईं, जिससे करीब 25 स्कूल जाने वाले बच्चों की पढ़ाई बाधित हुई। कैंसर पीड़ित बुज़ुर्ग और बीमार बच्चों को आश्रय न मिलने से गंभीर स्थिति बन गई है। समुदाय ने कहा कि राज्य सरकार की बेघर लोगों को राहत देने की नीति के उलट मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन लगातार बेदखली की कार्रवाई कर रही है।

## पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस हज़रत निजामुद्दीन के बीच साप्ताहिक विशेष ट्रेन चलाएगा

| ट्रेन सं. | शुरुआती स्टेशन और डेस्टिनेशन | सर्विस की तारीखें | प्रस्थान | आगमन |
|---|---|---|---|---|
| 04005 | बांद्रा टर्मिनस - हज़रत निज़ामुद्दीन | 12.12.2025 | 14:40 बजे (शुक्रवार) | 11:10 बजे (अगला दिन) |
| 04006 | हज़रत निज़ामुद्दीन - बांद्रा टर्मिनस | 11.12.2025 | 13:35 बजे (गुरुवार) | 11:00 बजे (अगला दिन) |

हॉल्टः बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम और कोटा स्टेशन दोनों दिशाओं में।

कंपोजिशनः फर्स्ट AC, AC-2 टियर और AC - 3 टियर कोच।

टाइमिंग, हॉल्ट और कंपोजिशन के बारे में पूरी जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 04005 की बुकिंग सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर खुली है। ऊपर बताई गई ट्रेन स्पेशल ट्रेन के तौर पर स्पेशल किराए पर चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

## पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस अजमेर के बीच सुपरफास्ट विशेष ट्रेन चलाएगा

| ट्रेन सं. | शुरुआती स्टेशन और डेस्टिनेशन | सर्विस की तारीखें | प्रस्थान | आगमन |
|---|---|---|---|---|
| 09063 | बांद्रा टर्मिनस - अजमेर | 24.12.2025 | 12.15 बजे (बुधवार) | 06.15 बजे (अगले दिन) |
| 09064 | अजमेर - बांद्रा टर्मिनस | 25.12.2025 | 11.40 बजे (गुरुवार) | 04.20 बजे (अगले दिन) |

**हॉल्टः** बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, नाडियाड, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, फालना, रानी, मारवाड़, सोजत रोड और ब्यावर स्टेशन दोनों दिशाओं में।

**कंपोजिशनः** AC 2 टियर, AC 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच।

टाइमिंग, हॉल्ट और कंपोजिशन के बारे में पूरी जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 09063 की बुकिंग 12.12.2025 से सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ऊपर बताई गई ट्रेन स्पेशल ट्रेन के तौर पर स्पेशल किराए पर चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

## पश्चिम रेलवे वडोदरा और कोट्टायम के बीच शीतकालीन विशेष ट्रेन चलाएगा

| ट्रेन सं. | शुरुआती स्टेशन और डेस्टिनेशन | सर्विस की तारीखें | प्रस्थान | आगमन |
|---|---|---|---|---|
| 09124 | वडोदरा - कोट्टायम | 20.12.2025 से 10.01.2026 | 09:05 बजे (शनिवार) | 19:00 बजे (अगले दिन) |
| 09123 | कोट्टायम - वडोदरा | 21.12.2025 से 11 01 2026 | 21:00 बजे (रविवार) | 06:00 बजे (मंगलवार) |

**हॉल्टः** सूरत, वापी, वसई रोड, भिवंडी रोड, पनवेल, रोहा, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम, करमाली, मडगांव, कारवार, कुमटा, मुर्देश्वर, भटकल, मूकाम्बिका रोड बिंदूर, कुंदपुरा, उडुपी, सुरथकल, मंगलुरु जंक्शन, कासरगोड, कन्नूर, थालास्सेरी, कोझिकोड, तिरूर, शोरानूर, त्रिशूर, अलुवा और एर्नाकुलम टाउन स्टेशन दोनों दिशाओं में।

**कंपोजिशनः** फर्स्ट AC, AC - 2 टियर, AC - 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच।

टाइमिंग, हॉल्ट और कंपोजिशन के बारे में डिटेल्ड जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 09124 की बुकिंग 12.12.2025 से सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ऊपर बताई गई ट्रेन स्पेशल ट्रेन के तौर पर स्पेशल किराए पर चलेगी।

WESTERN RAILWAY
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

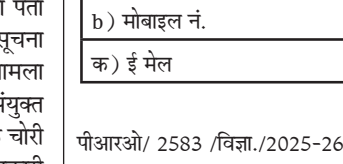

## मध्य रेल

### सोलापुर मंडल

### विभिन्न विकास कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीआरएम (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर नए गुडस शेड और कमरों में दूरसंचार की व्यवस्था उपकरणों का प्रावधान/स्थानांतरण एवं FOIS नेटवर्क का प्रावधान करना। **निविदा संख्या:** सोला-एन-टी-2025-26-30 **कार्य की अनुमानित लागत:** रुपये 1,22,45,668.66 **टेंडर फॉर्म की कीमत:** NIL **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** रुपये 2,11,200.00 **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 8 महीने **निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक** www.ireps.gov.in पर 29.12.2025 at 15.30 Hrs. विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुध्दिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई-मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नही की जाएंगी। निविदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और इसे www.ireps.gov.in पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान (ईएमडी) केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in देखें।

**मंडल रेल प्रबंधक, एस एंड टी शाखा**
**मध्य रेलवे, सोलापूर**

Apex-084

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

## मध्य रेल

### सोलापुर मंडल

### गुडस मैन्यूफैक्चर और सप्लाई

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मंडल स्टोर कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यो के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों / ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाए आमंत्रित करता है। **टेंडर नंबर :** 96255645 **विवरण:** आरडीएसओ ड्रॉइंग नंबर टी-5916 (परिवर्तन - कुछ नही) के अनुसार 60 किग्रा (यूआईसी)/60ई1 रेल के लिए 1 मीटर लंबी फिश प्लेट का माल, मैन्यूफैक्चर और सप्लाई। 1 मीटर लंबी फिश प्लेट के हर सेट में शामिल हैं - (i) ड्रॉइंग नंबर टी-5916 के लिए 6 छेद वाली 1 मीटर लंबी फिश प्लेट - 02 नग (ii) ड्रॉइंग नंबर टी-1899 के लिए बोल्ट और नट - 06 नग (iii) आरडीएसओ ड्रॉइंग नंबर टी-10773 के लिए सिंगल कॉइल स्प्रिंग वॉशर - 06 नग। **विनिर्देश :** आईआरएस टी-1-2021 (पहला रिविजन) जिसमें टेंडर बंद होने की तारीख तक के लेटेस्ट बदलाव हों, अगर कोई हों। (लेटेस्ट शब्द जहां भी इस्तेमाल होगा, उसका मतलब होगा टेंडर बंद होने की वास्तवित तिथि तक के परिवर्तन/अमेंडमेंट्स)। **मात्रा :** 3804 सेट **बयाना राशि (INR) :** Rs.3,69,240.00 www.ireps.gov.in **पर निविदा बंद होने की तिथि और समय** 22-12-2025 11:30 बजे के बाद। संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे निविदा समाप्ति की तिथि से पहले वेबसाइट पर बार-बार विजिट करते रहें ताकि इस निविदा के लिए जारी किए गए किसी भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र पर ध्यान दिया जा सके। वेबसाइट: www.ireps.gov.in

**वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक**
**मध्य रेलवे सोलापूर**

Apex/82

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

## मध्य रेल

### सोलापुर मंडल

### ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डीआरएम (एस एंड टी) कार्यालय, मध्य रेलवे, सोलापुर निम्नलिखित कार्यों के लिए सक्षम, प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित करता है: **इलाके के साथ काम का नाम:** मध्य रेलवे के सोलापुर डिवीजन में पैदल यात्री सबवे के प्रावधान के संबंध में सिग्नलिंग कार्य करना। **निविदा संख्या:** सोला-एन-टी-2025-26-29 **कार्य की अनुमानित लागत:** रुपये 4,71,33,197.49 **टेंडर फॉर्म की कीमत:** NIL **जमा की जाने वाली धरोहर राशि:** रुपये 3,85,700 **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 महीने **निविदा के समापन की तिथि और समय:** 29.12.2025 after 15.30 Hrs. विवरण ireps वेबसाइट में उपलब्ध हैं। शुध्दिपत्र/संशोधन यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाइट पर अपलोड किया गया जाएगा। केवल ऑनलाइन निविदाएं ही स्वीकार की जाएंगी। मैनुअल/डाक/ई-मेल, फैक्स, हस्त निविदाएं स्वीकार नही की जाएंगी। बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे कंपनी के नाम के साथ तृतीय श्रेणी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र प्राप्त करें और इसे www.ireps.gov.in पर पंजीकृत करें। बयाना राशि (ईएमडी) का भुगतान नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से या बैंक गारंटी रुप में स्वीकार किया जाएगा और मूल बैंक गारंटी निविदा दस्तावेज में निर्दिष्ट नामित अधिकारी को व्यक्तिगत रुप से बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि से पहले (अर्थात बोलियाँ जमा करने की अंतिम तिथि को छोड़कर) जमा करनी होगी। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.ireps.gov.in देखें।

**मंडल रेल प्रबंधक, एस एंड टी शाखा**
**मध्य रेलवे, सोलापूर**

Apex-083

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

## मध्य रेल

### भुसावल मंडल

### ई-निविदा सूचना

भारत के महामाहिम राष्ट्रपति हेतु सीनियर डिवीज़नल बिजली इंजीनियर (क.वि) मध्य रेल, भुसावल द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु डीजीटेली हस्थाक्षरित ऑनलाइन ओपन ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **टेंडर नोटिस नं.** भुसावल_ईलेक्ट_टीआरडी_85_2025, दिनांक 01/12/2025 **कार्य का नाम:** भुसावल डिवीजन के जलगांव-चालीसगांव (जेएल-सीएसएन) और चालीसगांव-मनमाड (सीएसएन-एमएमआर) खंड में स्वचलित ब्लॉक सिग्नलिंग (एबीएस) के संबंध में एटी आपूर्ति के प्रावधान के संबंध में २५ केवी, एकल चरण, एसी ओएचई कार्यों का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण परीक्षण और कमीशनिंग। **कार्य की लागत:** रु. 4,21,25,506 **बयाना राशि:** रु. 3,60,600 **निविदा जमा करने की अंतिम तारीख, समय:** 26/12/2025 upto 15:00 hrs. अतिरिक्त जानकारी के लिए वेबसाइट का पता: www.ireps.gov.in

Apex-09

**सी.डि. बि.इं. (क.वि) भुसावल**

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

## IN THE BOMBAY CITY CIVIL COURT AT BOMBAY

## GUARDIANSHIP PETITION NO. 100315 OF 2025

### IN THE MATTER OF:

Appointing a Guardian of Property for the minor children of deceased executor Late Shri Samarbahadur Rammanohar Yadav i.e. Kum. Ishaan Samarbahadur Yadav aged 16 years and Kum. Malvikaa Samarbahadur Yadav aged 12 years u/s 7 of The Guardian and Wards Act. 1890 and in compliance of the Compliance Order dated 29/07/2025 of The Honourable Bombay High Court. Company Registrar/Testamentary Registrar.

Shri Shyambahadur Rammanohar Yadav )
Aged 48 years. Hindu, Indian Inhabitant )
Occupation: Business, Residing at 78/2 )
Hedavkar Wadi No. 2, D. S. Babrekar Marg, )
Gokhale Road (N), Dadar (West), )
Mumbai 400028, )
Mobile-8369180282/9869966458 )
Email -shyamyadav77@gmail.com )
being one of The Executors named under the last )
Notarised Will and Testament of the Testator )
Late Shri Rammanohar K. Yadav )
... Petitioner

That the Petitioner humbly prays:

a) **Shri Shyambahadur Rammanohar Yadav**, one of the surviving executors and the son of the deceased Testator and the uncle of the deceased second executor's minor children **(Ishaan and Malavikaa Samarbahadur Yadav)** whose current address is not known be declared as the **Guardian of the property** in compliance with the Compliance Order dated **July 29, 2025** of the Honourable Bombay High Court, Company Registrar Testamentary Registrar.

b) That the property details is elucidated as below:

| S.No. | Particulars |
|---|---|
| 1. | House at 78/2, Hedavkar Wadi No.2, D.S.Babrekar Marg, Gokhale Road (N), Dadar (West), Mumbai 400028. |
| 2. | Yadav Flour Mill Shop No. 3, Ground Floor, 288, Laxman Niwas, Veer Savarkar Marg, Dadar (West), Mumbai 400028. |
| 3. | Room No., Lokseva Vikas Mandal, D.Thakre Chawl. Kanyapada. Goregaon (East), Mumbai 400063. |
| 4. | Agricultural land situated at Khata No. 20, Gata No. 202. having area 0.37 Adhismil in village - Parashurampur. Paragana-Rari, Tahsil-Sadar, District - Jaunpur. Uttar Pradesh. |
| 5. | Agricultural and non-agricultural land situated at Khata No. 127, 128, 129, 130 in village-Baispar, Paragana-Rari, Tahsil-Sadar, District - Jaunpur, Uttar Pradesh. |

Notice is hereby given that the Petitioner abovenamed has filed **Guardian Petition No. 100315/2025** before the Bombay City Civil Court at Mumbai for being appointed as the Guardian of the property of **Kum. Ishaan and Kum. Malavikaa Samarbahadur Yadav (minor children of the second deceased executor Late Shri Samarbahadur Rammanohar Yadav of the will of Late Shri Rammanohar K. Yadav)** without remuneration and/or security. Any party having any objection thereto should inform in writing before the **Hon'ble Judge Shri Ameet Anant Laulkar in Court Room No. 2** on or before **11th January, 2026** with reasons, justifying the same, failing which objections, if any, shall not be entertained and shall be deemed to have been waived.

Given under my hand and seal of the Court

Dated: This 09 th day of December, 2025

Seal

**Deputy Registrar,**
**Civil Court, Mumbai**

**Sealer**

**This 9th day of December, 2025**
**Ajay S. Pai Asnodkar**
**Advocate, High Court. Bombay**
**Legal Aid Counsel**

संपादकीय

# बच्चों पर संकट

इस सदी के ढाई दशक में बाल मृत्यु दर घटने को दुनिया की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया गया था, लेकिन अब इस सदी में पहली बार बाल मृत्यु दर में वृद्धि की आशंका जतायी जा रही है। गेट्स फाउंडेशन की रिपोर्ट बताती है दुनिया भले ही अमीर हो गई है लेकिन गरीब देशों के बच्चों पर होने वाला खर्च घटा दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, धनी देशों द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य खर्च पर 27 फीसदी की कटौती की गई है। जिससे इस वर्ष दो लाख अतिरिक्त बच्चों की मौत की आशंका जतायी जा रही है। दरअसल, ये मौतें उन बीमारियों से हो सकती हैं, जिन्हें अमीर देशों से मिलने वाली मदद से होने वाले टीकाकरण और बुनियादी इलाज से टाला जा सकता था। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चिंतित हैं कि जिस समय दुनिया में संपत्ति सबसे तेजी से बढ़ रही है, उस समय गरीब देशों के बच्चों पर स्वास्थ्य खर्च का घट जाना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि स्वास्थ्य सहायता में तीस प्रतिशत की कटौती हो जाती है तो वर्ष 2045 तक 1.6 करोड़ अतिरिक्त बच्चों की मौत हो सकती है। विडंबना देखिए कि इस आसन्न संकट को नजरअंदाज करके विकसित देश अपने रक्षा व आंतरिक खर्च को बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। जबकि अमीर देशों द्वारा गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य के लिये दिया जाने वाला पैसा उनके बजट के एक फीसदी से भी कम है। गेट्स फाउंडेशन का विश्व के अमीर देशों से आग्रह है कि वे दुर्लभ संसाधनों को उन स्थानों पर लक्षित करें, जहां वे सबसे अधिक जीवन बचा सकते हैं। दरअसल, संकट में वे बच्चे हैं, जो अपना पांचवां जन्मदिन मनाने से पहले ही मृत्यु का ग्रास बन जाते हैं। इस संकट बढ़ने से दशकों से हासिल वैश्विक प्रगति बेकार हो जाएगी। निस्संदेह, दुनिया में कहीं भी पैदा हुए बच्चे को जीवित रहने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए। दरअसल, गेट्स फाउंडेशन की गोलकीपर्स रिपोर्ट और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट फॉर हेल्थ मैट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन ने बताया कि 2024 में, 4.6 मिलियन बच्चों की पांचवें जन्मदिन से पहले मौत हो गई थी। आशंका है कि आर्थिक मदद में कटौती से इस वर्ष इस संख्या में दो लाख की वृद्धि से इसके बढ़कर 4.8 मिलियन बच्चों तक पहुंचने की आशंका है। जिसकी मूल वजह स्वास्थ्य के लिये वैश्विक मदद में आई बड़ी गिरावट है। इस वर्ष सहायता निधि में भारी कटौती के अलावा गरीब देशों के बढ़ते कर्ज, कमजोर स्वास्थ्य सिस्टम के चलते मलेरिया, एचआईवी और पोलियो जैसी बीमारियों के विरुद्ध हासिल उपलब्धियों को खोने का जोखिम बढ़ सकता है। हालिया रिपोर्ट बताती है कैसे प्रमाणित समाधानों और अगली पीढ़ी के नवाचारों में लक्षित निवेश से सीमित बजट में लाखों बच्चों का जीवन बचाया जा सकता है। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के ये बच्चे सुरक्षित जीवन पाने के हकदार हैं। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष बिल गेट्स कहते हैं विश्व में गरीब मुल्कों के बच्चों के स्वास्थ्य रक्षा के लिये वित्तीय संसाधन बढ़ाने व वर्तमान सिस्टम में सुधार हेतु दक्षता बढ़ाने की जरूरत है। हमें कम संसाधनों में अधिक काम करना होगा। यदि ऐसा नहीं होता तो हमारी पीढ़ी के दामन पर दाग लगेगा कि मानव इतिहास में सबसे उन्नत विज्ञान और नवाचार की पहुंच के बावजूद हम लाखों बच्चों का जीवन बचाने के लिये धन नहीं जुटा पाए। हम सही प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धताएं तय करके तथा उच्च प्रभाव वाले समाधानों में निवेश करके बाल मृत्यु दर वृद्धि को रोक सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो हम वर्ष 2045 तक कई मिलियन बच्चों को जीवित रहने में मदद कर सकते हैं। इसके लिये जरूरी होगा कि हम विदेशी मदद का अधिकतम उपयोग करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल, नियमित टीकाकरण, गुणवत्ता के टीके और डेटा के नये उपयोग पर अधिक ध्यान दें। निस्संदेह, इन बीमारियों से लड़ने के लिये वैश्विक प्रतिबद्धता को जारी रखने की जरूरत है। गेट्स फाउंडेशन का मानना है कि अगली पीढ़ी के नवाचारों के विकास में निवेश से हम बच्चों में होने वाले मलेरिया और निमोनिया जैसे कुछ घातक रोगों को हमेशा के लिये खत्म कर सकते हैं।

# भारत के सामने नया सुरक्षा चैलेंज

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार,
साहित्यकार-स्तम्भकार

भारत इस समय एक ऐसे दौर से गुजर रहा है जब आतंकवाद का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। हाल ही में पकड़ा गया "डॉक्टर टेरर मॉड्यूल" इस व्यापक परिवर्तन का अत्यंत खतरनाक संकेत है। पहले जहां आतंकवादी संगठन अपनी भर्ती का दायरा सीमित, गरीब या कट्टरपंथी समूहों तक रखते थे, अब वे अत्यंत शिक्षित, उच्च पदों पर कार्यरत और समाज में प्रतिष्ठित माने जाने वाले व्यक्तियों को भी अपने नेटवर्क में शामिल कर रहे हैं। दिल्ली ब्लास्ट में शामिल तीन डॉक्टरों की गिरफ्तारी और उनके जैश-ए-मोहम्मद तथा अंसार गज़वत-उल-हिंद के संयुक्त नेटवर्क का हिस्सा होना इस नए पैटर्न की गवाही देता है। इससे यह स्पष्ट है कि आईएस और उससे जुड़े संगठन अब साइलेंट और स्मार्ट मॉड्यूल बना रहे हैं, जिनकी गतिविधियाँ सामान्य जनता और जांच एजेंसियों की नज़र से आसानी से छिपी रहती हैं।

जम्मू–कश्मीर पुलिस द्वारा जारी अलर्ट, जो लगातार तीन दिनों तक दोहराया गया, यह बताता है कि खतरा अभी समाप्त नहीं हुआ है। मुख्य हैंडलर का गायब होना, बाकी नेटवर्क का सक्रिय रहना, स्लीपर सेल के तैयार होने की आशंका और धार्मिक व पर्यटन स्थलों पर हमले की चेतावनी इस बात का संकेत है कि आईएस भारत में एक बड़े "वायलेट अटैक" की योजना बना रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि भारत में सक्रिय स्लीपर सेल किस मार्ग पर चल रहे हैं, उनकी रणनीति क्या है और भारत को इस खतरे से कैसे निपटना चाहिए। आज भारत में आतंकवाद सिर्फ सीमा पार की समस्या नहीं रही, बल्कि यह एक हाइब्रिड खतरा बन चुका है। इस नए आतंकवाद में धर्म, तकनीक, विचारधारा, साइबर नेटवर्क, आर्थिक तंत्र और स्लीपर सेल आदि सभी एक साथ जुड़े हुए हैं। आईएस और जैश जैसे संगठन अब मिश्रित मॉड्यूल बनाकर ऐसे लोगों को शामिल कर रहे हैं जो समाज में शक पैदा नहीं करते। डॉक्टर, इंजीनियर, सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ, फोटोग्राफर, पत्रकार, छात्र आदि—इन सबको निशाना बनाकर संगठन अपनी योजनाओं को छुपाकर आगे बढ़ाते हैं। पकड़ा गया मॉड्यूल भी इसी रणनीति का उदाहरण है। यह नया खतरा सामान्य आतंकवाद से कहीं अधिक जटिल है, क्योंकि इसमें आतंकवादी संगठन मौन रहते हुए वर्षों तक अपना नेटवर्क तैयार करते हैं और अचानक एक बड़ा हमला करने की कोशिश करते हैं। आईएस की रणनीति का मुख्य उद्देश्य अब प्रतीकात्मक लक्ष्य चुनना है, ताकि न सिर्फ भारत में बल्कि दुनिया भर में उसका प्रभाव दिख सके। धार्मिक स्थल, मेले, त्यौहार, भीड़भाड़ वाले पर्यटन स्थल, समुद्री तट, विदेशी नागरिकों के आवागमन वाले होटल, एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्र—ये सभी उनके प्रमुख लक्ष्य हो सकते हैं। मथुरा, वाराणसी, हरिद्वार, अजमेर, गोवा जैसे स्थानों का उल्लेख भी इसी वजह से बार-बार खुफिया इनपुट में सामने आता है। ऐसे हमलों का उद्देश्य सिर्फ जान–माल की हानि नहीं होता, बल्कि देश की आस्था, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय छवि को चोट पहुँचाना होता है। आतंकवादियों की कोशिश होती है कि हमले के बाद दुनिया भारत को असुरक्षित पर्यटन स्थल के रूप में देखे, जिससे आर्थिक और कूटनीतिक नुकसान हो। स्लीपर सेलों के काम करने का तरीका भी अब अधिक खतरनाक हो गया है। ये सेल कई वर्षों तक निष्क्रिय रहते हैं। वे सामान्य जीवन जीते हैं—नौकरी करते हैं, पढ़ते हैं, शादी करते हैं, परिवार में रहते हैं और किसी पर संदेह नहीं होने देते। फिर किसी एक आदेश पर सक्रिय होकर छोटा या बड़ा हमला करते हैं। वर्तमान समय में इन सेल के पास तकनीकी ज्ञान, विस्फोटक बनाने की जानकारी, एन्क्रिप्टेड चैट, डार्क वेब पर प्रशिक्षण, नकली दस्तावेजों का नेटवर्क और वित्तीय सहायता के तरीके उपलब्ध हैं। यही कारण है कि डॉक्टरों से जुड़े मॉड्यूल को आसानी से किसी ने संदेह की निगाह से नहीं देखा। इस प्रकार के परफेक्ट "प्रोफेशनल टेरर नेटवर्क" की पहचान सबसे कठिन है। इस बदलते खतरे से निपटने के लिए भारत को अब एक समग्र, आधुनिक और आक्रामक सुरक्षा रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले खुफिया परिवेश को और मजबूत करना आवश्यक है। आतंकवाद का मुकाबला सिर्फ बल और हथियार से नहीं हो सकता, बल्कि वास्तविक शक्ति खुफिया जानकारी में होती है। भारत को अपने इंटेलिजेंस नेटवर्क को अधिक तकनीकी, अधिक तेज और अधिक समन्वित बनाना होगा। केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच रियल टाइम सहयोग जरूरी है। डिजिटल मॉनिटरिंग, फेस रिकग्निशन, एआई आधारित विश्लेषण, संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों की स्वचालित पहचान—ये सभी तकनीकें आने वाले वर्षों में निर्णायक साबित होंगी। सिर्फ फोन कॉल या ईमेल की निगरानी से काम नहीं चलेगा, बल्कि डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड ऐप के ट्रैफिक पैटर्न को भी पहचानना होगा। इसके साथ ही सामाजिक स्तर पर डि-रेडिकलाइजेशन भी आवश्यक है। कट्टरपंथ आज एक मानसिक और डिजिटल वायरस की तरह फैल रहा है। कई बार पूरी तरह शिक्षित और तार्किक व्यक्ति भी गलत विचारधारा के प्रभाव में आ जाते हैं। कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और प्रोफेशनल समूहों में संवाद और जागरूकता कार्यक्रम चलाना जरूरी है, ताकि युवा गलत दिशा न लें। यह भी आवश्यक है कि परिवार, समाज और स्थानीय संस्थाएँ ऐसे युवाओं को पहचानें, जो अचानक अलग-थलग रहने लगें, धार्मिक अतिवाद की सामग्री पढ़ने लगें या विदेश स्थित संदिग्ध संगठनों से संपर्क करें। कट्टरपंथ से लड़ाई सिर्फ सरकार की नहीं, समाज की भी जिम्मेदारी है।

जीवन मंत्र

# प्रकृति हमें जितना योग्य समझे

**हर व्यक्ति की क्षमता, सोच, कर्म और दृष्टिकोण अलग होता है, और इन्हीं के आधार पर उसे जीवन में मिलने वाली उपलब्धियाँ भी तय होती हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति मेहनत, ईमानदारी और जिज्ञासा के साथ कार्य करता है, तो वह न केवल बाह्य संसाधनों को प्राप्त करने योग्य बनता है।**

यह केवल एक नैतिक विचार नहीं है, बल्कि एक दार्शनिक और व्यावहारिक सच्चाई भी है। प्रकृति या जीवन से हम वही प्राप्त कर सकते हैं, जिसके हम योग्य हैं न उससे अधिक, न उससे कम। यह योग्यता केवल भौतिक संसाधनों की बात नहीं करती, बल्कि मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक पात्रता की ओर भी संकेत करती है।

हर व्यक्ति की क्षमता, सोच, कर्म और दृष्टिकोण अलग होता है, और इन्हीं के आधार पर उसे जीवन में मिलने वाली उपलब्धियाँ भी तय होती हैं। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति मेहनत, ईमानदारी और जिज्ञासा के साथ कार्य करता है, तो वह न केवल बाह्य संसाधनों को प्राप्त करने योग्य बनता है, बल्कि उसे समाज का विश्वास, सम्मान और संतोष भी मिलता है। वहीं, यदि कोई केवल लालच या स्वार्थ के आधार पर कुछ प्राप्त करने की कोशिश करता है, तो भले ही वह थोड़ी देर के लिए सफल हो जाए, प्रकृति उसके भीतर की रिक्तता को जल्दी उजागर कर देती है। यह सिद्धांत केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्थाओं, राष्ट्रों और सभ्यताओं पर भी लागू होता है। एक समाज यदि सह-अस्तित्व, संतुलन और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित होता है, तो उसे प्राकृतिक संसाधनों, समृद्धि और प्रगति का फल अधिक मिलता है। दूसरी ओर, जो समाज प्रकृति का शोषण करता है, असमानता फैलाता है और दूसरों के अधिकारों की अनदेखी करता है, वह स्वयं भी विनाश की ओर अग्रसर हो जाता है। यही कारण है कि पर्यावरणीय संकट, सामाजिक तनाव और आर्थिक असंतुलन, पात्रता और अयोग्यता के सूक्ष्म परिणाम हैं। अंततः यह कथन हमें आत्मचिंतन की ओर प्रेरित करता है। हमें यह समझना होगा कि केवल इच्छा करना पर्याप्त नहीं है हमें उस इच्छा के अनुरूप कर्म, दृष्टिकोण और योग्यता भी विकसित करनी होगी। जब हम अपने भीतर संतुलन, सहानुभूति, नैतिकता और ज्ञान की पात्रता विकसित करते हैं, तभी यह विश्व और प्रकृति हमें वह सब कुछ देती है जो हम वास्तव में चाहते हैं। यही सच्चा विकास और सच्ची उपलब्धि है।

जीवन ऊर्जा

**ओशो, जिनका असली नाम रजनीश था, 11 दिसंबर 1931 को मध्यप्रदेश के कुचवाड़ा में जन्मे थे। वे एक प्रसिद्ध भारतीय गुरु, ध्यान शिक्षक और आध्यात्मिक नेता थे। ओशो ने 19 जनवरी 1990 को पुणे में मृत्यु प्राप्त की। उनका दर्शन आज भी विश्वभर में प्रचलित है।**

ओशो : जन्म 11 दिसंबर 1931

जन्म

## खुशी ऊंचाई देती है, उदासी जड़ें देती हैं

साहस अज्ञात के साथ प्रेम संबंध है। जीवन वहीं से शुरू होता है जहां डर खत्म होता है। रचनात्मकता अस्तित्व में सबसे बड़ा विद्रोह है। खोज मत करो, मत खोजो, मत पूछो, मत खटखटाओ, मत मांगो। आराम करो। दर्द से बचने के लिए, वे सुख से बचते हैं। मृत्यु से बचने के लिए, वे जीवन से बचते हैं। सितारों को देखने के लिए एक निश्चित अंधकार की आवश्यकता होती है। सत्य कोई ऐसी चीज नहीं है जिसे बाहर खोजा जाए, यह कुछ ऐसा है जिसे अंदर महसूस किया जाए। दुनिया में सबसे बड़ा डर दूसरों की राय से है। प्यार लक्ष्य है; जीवन यात्रा है। प्यार में पड़ने पर, आप एक बच्चे की तरह रहते हैं; प्यार में बढ़ते हुए, आप परिपक्व होते हैं। जीवन बिना सोचे-समझे खुद को दोहराता है - जब तक आप सचेत नहीं हो जाते, यह एक पहिये की तरह दोहराता रहेगा। यथार्थवादी बनें: चमत्कार की योजना बनाएँ। आप बदलती दुनिया में किसी भी चीज़ से चिपके नहीं रह सकते। दोस्ती सबसे शुद्ध प्रेम है। यह प्रेम का सर्वोच्च रूप है जहां कुछ भी नहीं मांगा जाता। दुःख गहराई देता है। खुशी ऊंचाई देती है। उदासी जड़ें देती है। खुशी शाखाएं देती है। जीवन को हर संभव तरीके से अनुभव करें - अच्छा-बुरा, कड़वा-मीठा, अंधेरा-उजाला, गर्मी-सर्दी। प्रत्येक व्यक्ति एक विशिष्ट नियति के साथ इस दुनिया में आता है। जीवन विश्राम और गति के बीच एक संतुलन है। ध्यान ही दुनिया का एकमात्र जादू है। जिस क्षण आप खुद को स्वीकार करते हैं, आप सुंदर बन जाते हैं। थोड़ी मूर्खता, जीवन का आनंद लेने के लिए पर्याप्त है, और गलतियों से बचने के लिए थोड़ी समझदारी।

शख्सियत

दिलीप कुमार

## भारतीय सिनेमा के अभिनय सम्राट

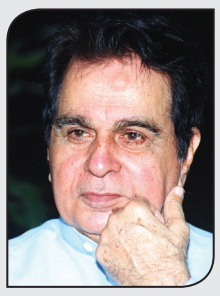

दिलीप कुमार (जन्मः 11 दिसंबर 1922, मृत्युः 7 जुलाई 2021), जिनका मूल नाम मुहम्मद यूसुफ़ खान था, भारतीय सिनेमा के सबसे प्रभावशाली और प्रतिष्ठित अभिनेताओं में गिने जाते हैं। पेशावर में जन्मे दिलीप कुमार आगे चलकर मुंबई आए और वहीं से उन्होंने अपना फिल्मी सफ़र शुरू किया।

अभिनेत्री और निर्माता देविका रानी ने उन्हें फिल्मों में अवसर दिया और उसी समय उन्होंने निर्देशानुसार अपना नाम बदलकर 'दिलीप कुमार' रख लिया। अपने शुरुआती करियर में उनकी आरंभिक फिल्में अधिक सफल नहीं रहीं, लेकिन 1947 में आई जुगनू ने उन्हें लोकप्रिय बना दिया। इसके बाद अंदाज़ (1949) ने उनकी पहचान एक बड़े अभिनेता के रूप में स्थापित की। 1950 के दशक में उन्होंने एक से बढ़कर एक सफल फिल्मों में अभिनय किया, जिनमें देवदास, दाग, नया दौर, मधुमती, यहुदी और पैघाम शामिल हैं। उनके द्वारा निभाई गई भावुक और त्रासद भूमिकाओं ने उन्हें 'ट्रेजिडी किंग' की उपाधि दिलाई। वे भारतीय सिनेमा में पहली बार भावनात्मक यथार्थवाद और गहराई के साथ अभिनय प्रस्तुत करने वाले अभिनेताओं में माने जाते हैं। दर्शकों और समीक्षकों दोनों का मानना था कि उनकी अदाकारी देखने भर के लिए लोग सिनेमाघर जाते थे, भले ही फिल्म में मनोरंजन के अन्य तत्व कम हों। उनका अंदाज़, संवाद बोलने की शैली और गहरी नज़रों में भावों का उतार-चढ़ाव भारतीय अभिनय की परंपरा को बदलने वाला साबित हुआ। 1960 में मुग़ल-ए-आज़म में शहज़ादा सलीम की भूमिका ने उनकी लोकप्रियता को नई ऊँचाई पर पहुँचा दिया। भारत के फिल्म इतिहास में मुगल-ए-आज़म दशकों तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म रही। उन्होंने गंगा जमुना जैसी फिल्में स्वयं बनाई और अभिनय किया, जो अभिनय और निर्माण दोनों स्तरों पर ऐतिहासिक मानी जाती हैं। 1970 के दशक में फिल्मों की संख्या कम हो गई, लेकिन 1980 के दशक में उन्होंने परिपक्व भूमिकाओं के साथ वापसी की और विधाता, शक्ति, मशाल, कर्मा और सौदागर जैसी सफल फिल्मों में अभिनय किया। शक्ति में अमिताभ बच्चन के साथ उनकी भूमिका ने उन्हें अपना आठवाँ फिल्मफ़ेयर पुरस्कार दिलाया। दिलीप कुमार की फिल्मों में कभी भी एक ही तरह की छवि नहीं रही। उनका अभिनय समय के साथ बदलता रहा और हर दौर में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी। उनका प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पाकिस्तान ने भी उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान निशान-ए-इम्तियाज़ प्रदान किया। उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण और पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। वे राज्यसभा के सदस्य भी रहे और समाजसेवा से जुड़े रहे।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

# सनातन धर्म : सृष्टि से पूर्व का शाश्वत ज्ञान

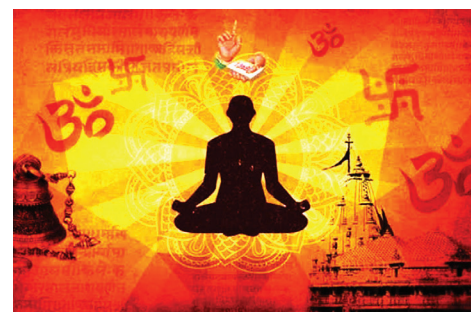

550 साल पहले गुरु नानक देव जी हुए। 1455 साल पहले हज़रत मुहम्मद पैदा हुए। 2007 साल पहले यीशु मसीह का जन्म हुआ। 2267 साल पहले चाणक्य और चंद्रगुप्त मौर्य भारत में जन्मे। 2588 साल पहले बुद्ध नेपाल (भारत क्षेत्र) में जन्मे और 2624 साल पहले महावीर स्वामी, जो 24वें तीर्थंकर थे, बुद्ध से पहले जन्मे। पहले तीर्थंकर ऋषभदेव जी माने जाते हैं, जिनका जन्म आज से लगभग 10,000 वर्ष पहले हुआ था। यहूदियों और ईसाइयों का पहला पैगंबर इब्राहीम, ईसा मसीह से लगभग 2000 साल पहले पैदा हुए थे, अर्थात आज से लगभग 4085 वर्ष पहले। महाभारत का युद्ध आज से लगभग 5092 वर्ष पूर्व हुआ, जब श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया। महाभारत से पहले श्रीकृष्ण का जन्म द्वापर युग के अंत में हुआ था, जो लगभग 6000 वर्ष पूर्व की बात है। श्रीकृष्ण से भी पहले त्रेता युग के मध्य में श्रीराम का जन्म हुआ, जो आज से लगभग 14 लाख वर्ष पूर्व मानी जाती है। श्रीराम से पहले उनके पिता दशरथ और दादा अज का जन्म हुआ था। 14 लाख वर्ष पहले तक वेदों की समस्त ऋचाएँ रचित हो चुकी थीं। राजा अज से पहले राजा भगीरथ हुए, जिन्होंने आत्मज्ञान की खोज के लिए अपने शत्रु को ही अपना राज्य दान में दे दिया था। भगीरथ से पहले राजा सगर हुए। उनसे पहले सतयुग में राजा पृथु हुए, जिनके नाम पर इस धरती का नाम 'पृथ्वी' पड़ा। पृथु से पहले राजा वेन, और उनसे पहले इक्ष्वाकु हुए। इक्ष्वाकु से पहले सप्तऋषि और प्रजा पालक राजा मनु हुए, जो मानव जाति के आदि पुरुष माने जाते हैं। मनु से पहले विवस्वान हुए, विवस्वान से पहले कश्यप, कश्यप से पहले मरीचि हुए। ब्रह्मा जी के पुत्रों में नारद, प्रजापति दक्ष आदि माने जाते हैं। ब्रह्मा जी से ही वासिष्ठ, क्रतु, अंगिरा आदि ऋषियों की उत्पत्ति हुई। ब्रह्मा जी ने ही 8 वसु (पृथ्वी, सूर्य, चंद्र, नक्षत्र, अग्नि, जल, वायु, आकाश), 11 रुद्र, 12 आदित्य, इंद्र और अश्विनी कुमार सहित 33 प्रकार के देवताओं की रचना की। ब्रह्मा जी अपने हर कल्प में नए ब्रह्मांड की रचना करते हैं। स्वयं ब्रह्मा जी का जन्म श्रीविष्णु की नाभि से उत्पन्न कमल से हुआ था, जब वे क्षीरसागर में योगनिद्रा में स्थित थे। उनसे पहले परम शिव और परम शक्ति के भीतर त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) और उनकी शक्तियाँ अव्यक्त रूप में स्थित थीं। ऐसे न जाने कितने ब्रह्मांड शिव–शक्ति के संयोग से उत्पन्न होते हैं और हर कल्प में ब्रह्मा जी उनकी रचना करते हैं। सनातन धर्म को जानो, क्योंकि ब्रह्मा जी ने ब्रह्मऋषि वसिष्ठ की उत्पत्ति इसीलिए की थी ताकि वे कलियुग की शांति के लिए 'योग वासिष्ठ' का ज्ञान श्रीराम को दें। सृष्टियाँ अनादि काल से उत्पन्न और नष्ट हो रही हैं। मूर्ख मनुष्य केवल अपने अहंकार और अल्पबुद्धि के कारण आपस में लड़–मर रहे हैं। अपनी आत्मा में परमात्मा को खोजो—यही सनातन ज्ञान है। सनातन धर्म और ज्ञान तो सृष्टि के पहले से है और सृष्टि के साथ-साथ सदा से है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

वंदे मातरम् के टुकड़े करने से ही देश में तुष्टिकरण की राजनीति शुरू हुई और देश भी टूट गया। इस तरह के फैसलों ने आगे चलकर देश के बंटवारे का रास्ता तैयार किया गया। अगर उस समय पूरा वंदे मातरम् स्वीकार किया जाता तो शायद भारत का विभाजन न होता।

-अमित शाह
गृहमंत्री, भारत सरकार

आप नेहरू जी के नाम को नीचा करना चाहते हैं पर वो सबसे ऊंचे हैं और ऊंचे ही रहेंगे और आप नीचे हैं और नीचे ही रहेंगे। हमारे पूर्व राष्ट्रपति ने जो कहा उसको भी नहीं मानते हैं, आप किसको मानते हैं. हमारे पड़ोसी देशों में चीन का प्रभाव बढ़ रहा है, हमारा प्रभाव घट रहा है।

- मल्लिकार्जुन खड़गे
अध्यक्ष, कांग्रेस पार्टी

आप नेता प्रतिपक्ष हैं, गरिमा के साथ बोलेंगे तो अच्छा है, वरना सदन इस तरह नहीं चल सकता। अपने सदस्यों को भी गरिमा समझाइए। विरोध करने का तरीका होता है, लेकिन यह तरीका उचित है क्या?

-ओम बिरला
स्पीकर, लोकसभा

राहुल गांधी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि LOP का मतलब 'पर्यटन' (टूरिज्म) का लीडर है। राहुल गांधी एक गैर–गंभीर नेता हैं। लोग काम कर रहे हैं, और वह छुट्टियों के मूड में हैं... जब संसद 19 तारीख तक सेशन में है, तब भी वह विदेश जा रहे हैं।

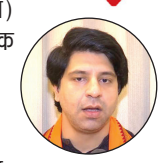

-शहजाद पूनावाला
प्रवक्ता, भाजपा

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

## ब्रीफ न्यूज़

### समदिया हाई स्कूल की वार्षिक शैक्षणिक पिकनिक सफलतापूर्वक संपन्न

भिवंडी। समदिया हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज, भिवंडी की ओर से विद्यार्थियों के मानसिक व शारीरिक विकास को ध्यान में रखते हुए ग्रेट एस्केप रिज़ॉर्ट में वार्षिक शैक्षणिक पिकनिक का आयोजन अत्यंत अनुशासित और सुरक्षित माहौल में किया गया, जिसमें 430 विद्यार्थियों ने भाग लिया और 25 शिक्षकों सहित सुरक्षा दल ने पूरे समय मार्गदर्शन व निगरानी रखी। वाटर स्लाइड्स, एडवेंचर ज़ोन और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने टीमवर्क और अनुशासन का प्रदर्शन किया, जबकि प्रशासन द्वारा सुरक्षा, भोजन और स्वास्थ्य संबंधी सभी प्रबंध किए गए। हेडमास्टर साजिद सिद्दीकी ने इसे छात्रों के लिए प्रशिक्षण यात्रा करार दिया और आयोजन में जुटे शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों के विश्वास की सराहना की।

### बी.एन.एन. महाविद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव का उद्घाटन

भिवंडी।। पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नती मंडल के बी.एन.एन. वरिष्ठ एवं कनिष्ठ महाविद्यालय में 10 से 13 दिसंबर तक आयोजित वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव का उद्घाटन संस्थान के सचिव आर. एन. पिंजारी के करकमलों से उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। आरंभ होते ही पूरा परिसर खेल भावना से सराबोर हो गया। पिंजारी ने विद्यार्थियों से खेल और कला को पढ़ाई के बराबर महत्व देने की अपील की और सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। समारोह में खेल मशाल प्रज्ज्वलित की गई और राष्ट्रीय खिलाड़ी सुमीत पाटील सहित कई खिलाड़ियों ने मशाल संचलन किया। कार्यक्रम में संस्थान के पदाधिकारी, प्राचार्य, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। महोत्सव में रस्साकशी, कबड्डी, टेबल टेनिस सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

# मेट्रो-4 को लोकल ट्रेन से जोड़ेगा एमएमआरडीए

▸▸ कांजुरमार्ग में बनेगा 740 मीटर लंबा पुल

▸▸ 93 करोड़ ...




**दीपक पवार | मुंबई**

मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMR-DA) ने मेट्रो-4 सर्विस और लोकल ट्रेनों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए कांजुरमार्ग में 740 मीटर लंबा पैदल पुल बनाने की योजना शुरू की है। इस पुल से मेट्रो-4 डिपो सीधे पास के रेलवे स्टेशन से जुड़ जाएगा।

#### सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा

इस लिंक से यात्रियों को BEST बस स्टॉप, लोकल रिक्शा और टैक्सी स्टैंड तक सीधी पहुँच मिलेगी। अधिकारी मानते हैं कि यह प्रोजेक्ट अधिक लोगों को पब्लिक ट्रांसपोर्ट की ओर आकर्षित करेगा और भीड़भाड़ को कम करने में मदद करेगा।

#### अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस पुल

नई योजना के तहत पुल में एस्केलेटर, लिफ्ट और CCTV सर्विलांस जैसी आधुनिक सुविधाएँ होंगी। इससे यात्रियों के लिए यात्रा न केवल आसान बल्कि सुरक्षित भी होगी। अधिकारियों का कहना है कि यह सुविधा विशेषकर पूर्वी और सेंट्रल सबअर्ब के यात्रियों के लिए बहुत लाभदायक साबित होगी।

#### प्रोजेक्ट पर खर्च और समयसीमा

रिपोर्ट के अनुसार इस प्रोजेक्ट पर लगभग 93 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। MMR-DA ने टेंडर जारी कर कॉन्ट्रैक्टर चुनने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिकारियों का लक्ष्य है कि निर्माण कार्य तेज़ी से शुरू होकर 18 महीनों के भीतर पूरा किया जाए।

#### मेट्रो-4 और भविष्य की योजनाएँ

वडाला-कासरवडावली मेट्रो-4 कॉरिडोर 32.32 किमी लंबा है और इसमें 30 स्टेशन शामिल हैं। MMRDA भविष्य में अन्य उपनगरीय रेल स्टेशनों को भी मेट्रो-4 से जोड़ने की संभावनाओं का अध्ययन कर रहा है। यह कदम पूरे मुंबई और ठाणे के शहर परिवहन नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

# पश्चिम रेलवे चलाएगी तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

**डीबीडी संवाददाता | मुंबई**

यात्रियों की सुविधा एवं यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस – हज़रत निज़ामुद्दीन, वडोदरा – कोट्टयम तथा साबरमती – नई दिल्ली स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

#### साबरमती – नई दिल्ली स्पेशल

ट्रेन संख्या 04033 साबरमती – नई दिल्ली स्पेशल गुरुवार, 11 दिसम्बर, 2025 को 19.00 बजे साबरमती से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.40 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। यह ट्रेन पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, अलवर एवं रेवाड़ी स्टेशनों पर रुकेगी।

#### वडोदरा – कोट्टयम (साप्ताहिक) स्पेशल

ट्रेन संख्या 09124 वडोदरा – कोट्टयम स्पेशल प्रत्येक शनिवार को 09.05 बजे वडोदरा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19.00 बजे कोट्टयम पहुंचेगी। यह ट्रेन 20 दिसम्बर, 2025 से 10 जनवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09123 कोट्टयम – वडोदरा स्पेशल प्रत्येक रविवार को 21.00 बजे कोट्टयम से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 06.00 बजे वडोदरा पहुंचेगी। यह ट्रेन 21 दिसम्बर, 2025 से 11 जनवरी, 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वापी, वसई रोड, भिवंडी रोड, पनवेल, रोहा, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कणकवली, सिंधुदुर्ग, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम, करमली, मडगांव, कारवार, कुमटा, मुर्डेश्वर, भटकल, मुकाम्बिका रोड बैंदूर, कुंडापुरा, उडुपी, सुरथकल, मंगलुरु जं., कासरगोड, कन्नूर, तलश्शेरी, कोझिक्कोड, तिरुर, षोरनूर, त्रिशूर, आलुवा तथा एरणाकुलम टाउन स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास तथा जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

#### बांद्रा टर्मिनस – हज़रत निज़ामुद्दीन सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 04005 बांद्रा टर्मिनस – हज़रत निज़ामुद्दीन स्पेशल शुक्रवार, 12 दिसम्बर, 2025 को 14.40 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.10 बजे हज़रत निज़ामुद्दीन पहुंचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 04006 हज़रत निज़ामुद्दीन – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल गुरुवार, 11 दिसम्बर, 2025 को 13.35 बजे हज़रत निज़ामुद्दीन से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 11.00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, सूरत, वडोदरा, रतलाम एवं कोटा स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर एवं एसी-3 टियर कोच होंगे।

# एमडीएल और ब्राजीलियाई नौसेना में ऐतिहासिक रक्षा समझौता

**डीबीडी संवाददाता | मुंबई**

भारत के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) ने भारतीय नौसेना और ब्राजीलियाई नौसेना के साथ स्कॉर्पीन-श्रेणी की पनडुब्बियों एवं नौसैनिक जहाजों के रखरखाव के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) किया है। यह समझौता 09 दिसंबर को ब्राजीलिया में हस्ताक्षरित हुआ और भारत-ब्राज़ील रक्षा सहयोग का नया अध्याय माना जा रहा है।

#### भारत की समुद्री क्षमता में एमडीएल की बड़ी भूमिका

पी-75 कार्यक्रम के तहत स्कॉर्पीन-श्रेणी की पनडुब्बियां बनाने वाला एमडीएल इस साझेदारी में प्रमुख तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में शामिल है। यह MoU भारतीय रक्षा उद्योग को वैश्विक पनडुब्बी रखरखाव पारिस्थितिकी में सशक्त बनाता है और मित्र देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने की दिशा में भारत की भूमिका को और आगे बढ़ाता है। समझौता 10 वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा, जिसे आवश्यकता पड़ने पर बढ़ाया जा सकेगा।

#### तकनीकी जानकारी और प्रशिक्षण में सहयोग

समझौते के तहत तीनों पक्ष पनडुब्बी रखरखाव, मरम्मत तकनीक, जीवनचक्र सहयोग और विशेष उपकरणों से संबंधित जानकारी साझा करेंगे। साथ ही स्पेयर पार्ट्स, इंडस्ट्री प्रथाओं और कर्मियों के प्रशिक्षण में भी सहयोग बढ़ाया जाएगा। वार्षिक तकनीकी बैठकें भारत और ब्राज़ील में बारी-बारी से आयोजित होंगी, जिनमें प्रगति समीक्षा और भविष्य की आवश्यकताओं का आकलन होगा।

#### संयुक्त अनुसंधान और 'आर एंड डी' पर जोर

MoU रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी, आपूर्ति श्रृंखला, अनुसंधान एवं नवाचार सहित कई क्षेत्रों में साझेदारी का मार्ग प्रशस्त करता है। हथियार प्रणालियों, मशीनरी और अन्य महत्वपूर्ण नौसैनिक तकनीकों में संयुक्त अनुसंधान किए जाएंगे। इसमें किसी भी पक्ष के बीच वित्तीय लेनदेन नहीं होगा और सभी देश अपनी संबंधित लागत स्वयं वहन करेंगे।

# पश्चिम रेलवे में डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट 4.0 अभियान का आयोजन

**डीबीडी संवाददाता | मुंबई**



रेलवे बोर्ड के निर्देशों के तहत पश्चिम रेलवे ने पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा 1 से 30 नवंबर 2025 तक चलाए गए राष्ट्रव्यापी डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (डीएलसी) अभियान 4.0 में सक्रिय भागीदारी की। इस पहल का उद्देश्य पेंशनभोगियों को डिजिटल साक्षरता से जोड़ना और 'जीवन प्रमाण' मोबाइल ऐप के माध्यम से सर्टिफिकेट जमा करने की प्रक्रिया को आसान बनाना था। मुंबई सेंट्रल मंडल में स्टेशन अधीक्षक कार्यालय, रेलवे कॉलोनी और वलसाड स्टेशन पर शिविर लगाए गए, जिनमें 42 सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। खास बात यह रही कि सात दिव्यांग पेंशनभोगियों के लिए टीम ने घर जाकर डीएलसी बनाया, जिनमें 103 वर्षीय वरिष्ठ पेंशनभोगी भी शामिल थीं।

#### 125 शिविरों के जरिए 4,355 पेंशनभोगियों को मिला लाभ

अभियान को सफल बनाने के लिए पश्चिम रेलवे के सभी मंडल और कार्यशालाएं लगातार सक्रिय रहीं और विभिन्न स्थानों तथा बैंक शाखाओं में प्रतिदिन शिविर आयोजित किए गए। अस्पतालों में भर्ती पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों के लिए रेलवे अस्पतालों और मेडिकल यूनिट्स में विशेष व्यवस्थाएँ की गईं। साथ ही, इस वर्ष पहली बार घर बैठे पेंशनभोगियों के लिए डोर-स्टेप सेवा भी उपलब्ध कराई गई। नवंबर में आयोजित कुल 125 शिविरों के माध्यम से लगभग 4,355 पेंशनभोगियों ने अपना डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट सफलतापूर्वक जमा किया, जिससे अभियान को व्यापक प्रतिक्रिया मिली।

# तंबाकू विरोधी जागरूकता अभियान को मिला अच्छा प्रतिसाद

**डीबीडी संवाददाता | ठाणे**

युवाओं को तंबाकू के सेवन से दूर रखने के उद्देश्य से जिला स्वास्थ्य विभाग ने एक विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है, जिसे शहर में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। नेशनल टोबैको कंट्रोल प्रोग्राम और नेशनल ओरल हेल्थ प्रोग्राम की सहायता से गांधी नगर के नवजीवन प्राइमरी स्कूल और मझगांव नाइट स्कूल में छात्रों को तंबाकू के दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। कैंपेन के दौरान एंटी-टोबैको डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई और विशेषज्ञों ने कम उम्र में धूम्रपान छोड़ने के फायदों पर बात की। सिविल अस्पताल की डेंटल सर्जन डॉ. अर्चना पवार ने बच्चों और अभिभावकों से सीधी बातचीत कर मुंह के कैंसर, दांतों और सांस से जुड़ी बीमारियों पर चेताया।

#### स्कूलों में 'तंबाकू-फ़्री कैंपस' की पहल, छात्रों ने ली शपथ

इस अभियान में मुलुंड चेकनाका और मझगांव के स्कूलों के साथ मासूम सामाजिक संस्था ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान स्कूलों में 'तंबाकू-फ़्री कैंपस' बनाने पर सहमति जताई गई और शिक्षकों-अभिभावकों ने इसे आगे बढ़ाने का भरोसा दिया। अंत में छात्रों ने तंबाकू से दूर रहने की शपथ ली और नशामुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार का कहना है कि यह पहल केवल एक कैंपेन नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी की जिंदगी बचाने की महत्वपूर्ण कोशिश है।

# 12 दिसंबर से एमएचएडीए प्लॉट्स के लिए ई-टेंडरिंग शुरू

**दीपक पवार | मुंबई**

मुंबई हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड (MHA-DA) की डिविजनल यूनिट मुंबई के विभिन्न इलाकों में 16 फैसिलिटी प्लॉटों के लिए 12 दिसंबर 2025 से ऑनलाइन ई-टेंडरिंग प्रोसेस शुरू कर रही है। इन प्लॉटों में मलाड-मालवानी, उन्नतनगर-गोरेगांव, चारकोप-कांदिवली, टैगोरनगर-विक्रोली, कन्नमवारनगर-विक्रोली, गोराई, अकुरली, विनोबा भावे नगर-कुर्ला और मुलुंड (ईस्ट) की कॉलोनियां शामिल हैं। इनमें से मलाड-मालवानी में 6 प्लॉट स्कूल, कॉलेज और हॉस्पिटल के लिए, चारकोप में रिटेल मार्केट, कुर्ला में सोशल वेलफेयर सेंटर और विक्रोली में मल्टी-पर्पस सेंटर व हाउसिंग प्लॉट उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।

#### टेंडर 16 जनवरी तक जमा, तकनीकी बिड 20 जनवरी को खुलेगी

टेंडर दस्तावेज 12 दिसंबर से maha-tenders.gov.in पर उपलब्ध होंगे, जबकि प्री-बिड मीटिंग 2 जनवरी 2026 को तय की गई है। दस्तावेज डाउनलोड करने और टेंडर जमा करने की अंतिम तिथियां 16 जनवरी 2026 दोपहर 3:30 और शाम 5:30 बजे निर्धारित हैं। टेक्निकल बिड 20 जनवरी को कलानगर स्थित गृहनिर्माण भवन में खोली जाएगी, जबकि फाइनेंशियल बिड की तिथि सफल बिडर्स को अलग से दी जाएगी।

### 10–11 दिसंबर से हुबली हैदराबाद एक्सप्रेस एलएचबी कोच के साथ चलेगी

**डीबीडी संवाददाता | मुंबई**

रेलवे ने घोषणा की है कि ट्रेन संख्या 17319/17320 हुबली–हैदराबाद–हुबली एक्सप्रेस को 10 और 11 दिसंबर 2025 से एलएचबी कोच और संशोधित संरचना के साथ चलाया जाएगा, जिसमें 22 कोचों में प्रथम श्रेणी, 3 एसी-द्वितीय, 6 एसी-तृतीय, 6 स्लीपर, 5 सामान्य कोच, एक लगेज-कम ब्रेक वैन और एक जनरेटर कार शामिल है। ट्रेन 17319 के नए समय के अनुसार वाडी, चित्तपुर, सेराम, तंदूर, विकाराबाद, लिंगमपल्ली और बेगमपेट स्टेशनों पर बदले हुए समय से रुकावटें होंगी और यह हैदराबाद में सुबह 10 बजे पहुंचेगी।

### बांद्रा टर्मिनस और अजमेर के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

**मुंबई।** यात्रियों की सुविधा तथा अजमेर उर्स उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के उद्देश्य से, पश्चिम रेलवे द्वारा बांद्रा टर्मिनस – अजमेर स्टेशन के बीच विशेष किराए पर स्पेशल ट्रेन चलायी जाएगी। पश्चिमी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09063 बांद्रा टर्मिनस – अजमेर स्पेशल बुधवार, 24 दिसंबर, 2025 को 12:15 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:15 बजे अजमेर पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09064 अजमेर – बांद्रा टर्मिनस स्पेशल गुरुवार, 25 दिसंबर, 2025 को 11:40 बजे अजमेर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, नडियाद, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिण्डवाड़ा, फालना, रानी, मारवाड़, सोजत रोड और ब्यावर स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में AC - 2 टियर, AC - 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।




## 12 राशिफल में देखें अपना दिन

**मेष** पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी।

**वृष** क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे।

**मिथुन** अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

**कर्क** मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति। अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा।

**सिंह** उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें।

**कन्या** नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा।

**तुला** प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

**वृश्चिक** दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी।

**धनु** घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दु:खद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

**मकर** यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

**कुंभ** पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**मीन** पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। दूसरे के काम में दखल न दें।

## श्री सर्वतोभद्र महायंत्र : जीवन की हर दिशा में शुभता और सुरक्षा का दिव्य स्रोत

शास्त्रों में वर्णित श्री सर्वतोभद्र महायंत्र को ऐसा दिव्य ऊर्जा-स्रोत माना गया है, जो व्यक्ति के जीवन में दिखाई और अदृश्य—दोनों स्तरों पर प्रभाव डालता है। इसे केवल एक यंत्र नहीं, बल्कि एक समग्र ऊर्जा-वृत्त कहा गया है, जिसके केंद्र में सुरक्षा, सुख, सफलता, शांति और आध्यात्मिक संतुलन की कामना निहित होती है। परंपरागत मान्यता कहती है कि यह यंत्र जिस स्थान पर प्रतिष्ठित होता है, वहाँ की समस्त दिशाओं में शुभ कंपन सक्रिय हो जाते हैं और नकारात्मक ऊर्जा स्वयं ही निष्क्रिय होने लगती हैं। यह यंत्र जीवन में आने वाली अदृश्य बाधाओं का ऐसा उपचार माना जाता है जो बिना किसी शोर-शराबे के धीरे-धीरे रुकावटों को शांत कर देता है। कई लोग इसे ग्रहदोष, वास्तुदोष, बुरी नजर, तांत्रिक बाधा या अचानक आने वाली अड़चनों के निवारण के रूप में प्रयोग करते हैं। इसके प्रभाव से वातावरण में एक हल्की, लेकिन स्थायी सकारात्मकता फैलती जाती है और व्यक्ति के निर्णय, विचार,




प्रियंका जैन
9769994439

मानसिक स्थिति और व्यवहार में गहराई से सुधार महसूस होने लगता है।

सर्वतोभद्र का वास्तविक अर्थ है—सभी दिशाओं में शुभता। इसीलिए इसे घर हो, दुकान हो, कार्यालय हो या कोई पवित्र स्थान—हर जगह स्थापित करना अत्यंत शुभ माना जाता है। जीवन, परिवार और कार्य—इन तीनों के बीच जो संतुलन बनता है, वही धीरे-धीरे समृद्धि और प्रगति का कारण बनता है। यह यंत्र उसी संतुलन का संरक्षक माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि जहां यह यंत्र हो, वहाँ नज़र, बुरी शक्तियों या मानसिक नकारात्मकता की कोई शक्ति लंबे समय तक टिक नहीं पाती।

पुरानी परंपराओं में यह भी माना गया है कि मनुष्य के जीवन में कई बाधाएं केवल वर्तमान कारणों से नहीं, बल्कि पिछले कर्मों से भी जुड़ी रहती हैं। ऐसे कर्मों की शांति और रुकावटों के समाधान में यह यंत्र एक विशेष भूमिका निभाता है। यहाँ इसकी शक्ति चमत्कार नहीं, बल्कि ऊर्जा-नियंत्रण की प्रक्रिया के रूप में समझी जानी चाहिए। जब मन शांत होता है, विचार स्थिर होते हैं और संदेह दूर होता है, तब जीवन में रुकी हुई राहें अपने आप खुलने लगती हैं। यही इस यंत्र का वास्तविक चमत्कार कहा गया है।

ध्यान, जप और साधना में इसका उपयोग विशेष लाभकारी माना गया है। कई साधक कहते हैं कि इसके सामने बैठे ही मन की एकाग्रता बढ़ने लगती है, जैसे भीतर कोई शांत प्रकाश सक्रिय हो गया हो। ऊर्जा का प्रवाह सहज हो जाता है और साधना में एक आत्मिक स्थिरता विकसित होने लगती है। निजी जीवन में इसका प्रभाव पारिवारिक संबंधों तक पहुंचता है। घर में मधुरता और सामंजस्य बढ़ने लगता है, छोटी-छोटी मनमुटाव की स्थितियां शांत होती हैं और परिवार का वातावरण सकारात्मक बनता है। वहीं व्यापार, नौकरी, व्यवसाय और दफ्तर में इसका प्रभाव एक सुरक्षित और सहयोगी वातावरण के रूप में देखने को मिलता है। कई व्यापारी इस यंत्र को नई शुरुआत, विस्तार, खरीद, निवेश और विकास के समय विशेष रूप से प्रतिष्ठित करते हैं।

अंत में यही कहा जा सकता है कि श्री सर्वतोभद्र महायंत्र केवल किसी धार्मिक प्रतीक से अधिक है—यह एक ऊर्जा-वृत्त, एक अदृश्य कवच और जीवन के हर क्षेत्र में शुभता का प्रसारक माना गया है। जब व्यक्ति, परिवार, घर, कार्य और विचार—सभी एक ही सकारात्मक दिशा में चल पड़ते हैं, तब समृद्धि और शांति अपने आप जीवन में उतरने लगती हैं। यही इस यंत्र की श्रेष्ठता है—यह हर दिशा से शुभता प्रदान करता है और जीवन को पूर्णता की ओर ले जाता है।

न्यूज ब्रीफ

## मुक्तेश्वर से लौटते समय खाई में गिरी कार, दो की मौत

**नैनीताल।** मुक्तेश्वर से गाजियाबाद लौट रहा एक परिवार मंगलवार देर रात सड़क दुर्घटना का शिकार हो गया। मल्ला रामगढ़ क्षेत्र में गागर के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर लगभग 100 मीटर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय लोगों ने रात करीब 11:46 बजे 112 पर दुर्घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही भवाली कोतवाली पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और अंधेरे तथा कठिन भू-भाग के बावजूद बचाव अभियान चलाकर सभी आठ यात्रियों को खाई से बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल छह लोगों को प्राथमिक उपचार के बाद डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय, हल्द्वानी रेफर किया गया।
दुर्घटना में 32 वर्षीय चालक सचिन और उनकी 12 वर्षीय भांजी लक्ष्मी की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों में नितिन (32), रुचि (39), कंचन (26), शामा (8), निष्ठा (14) और लव (11) शामिल हैं। चौकी प्रभारी गुलाब सिंह कंबोज के अनुसार, कार में सवार सभी लोग प्लाट नंबर 5, शिवपुरी सेक्टर-9, न्यू विजय नगर, गाजियाबाद के निवासी हैं। ग्रामीणों ने वाहन गिरने की आवाज सुनकर तत्काल राहत कार्य शुरू किया और पुलिस को सूचना दी। दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

## रेप के आरोपी को 20 साल की सजा

**गाजियाबाद।** नाबालिक लड़की के साथ बलात्कार करने वाले आरोपी को जनपद गाजियाबाद कोर्ट ने 20 वर्ष की सजा सुनाई है। छह वर्ष पहले दुष्कर्म के बाद किशोरी के गर्भवती होने के मामले में दोषी साहुल को पॉक्सो कोर्ट ने 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत के विशेष न्यायाधीश नीरज गौतम ने दोषी पर 60 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड से मिली धनराशि में से 40 हजार रुपये पीड़िता को दिए जाने का आदेश दिया है। विशेष लोक अभियोजक उत्कर्ष वत्स ने बताया कि एक युवक ने 31 जनवरी 2019 को लिंक रोड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें पुलिस को बताया था कि उनकी 15 वर्षीय बहन लोगों के घरों में साफ-सफाई का काम करती है। सितंबर 2018 को शाम के समय किशोरी काम समाप्त करके रेलवे लाइन के किनारे से होकर घर लौट रही थी। उसी समय साहिबाबाद के फरुखनगर निवासी साहुल उसे मिला। उसने नशीला पदार्थ सुंघाकर किशोरी को बेहोश कर दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद साहुल ने पीड़िता के साथ कई बार दुष्कर्म किया।
कुछ महीने के बाद 29 जनवरी 2019 को पीड़िता को पेट में तेज दर्द होने लगा। इलाज कराने के लिए परिजन दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में ले गए। वहां पर मेडिकल जांच में किशोरी के गर्भवती होने की पुष्टि हुई। घटना की जानकारी मिलने के बाद उसके भाई ने 31 जनवरी 2019 को लिंक रोड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने साहुल को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था, जहां से उसे जेल भेज दिया गया था।

# आय से अधिक संपत्ति मामले में वरिष्ठ पासपोर्ट अधीक्षक गिरफ्तार

### सीबीआई ने मुंबई से हिरासत में लेकर गाजियाबाद में किया पेश

**गाजियाबाद।** क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, गाजियाबाद में तैनात रहे वरिष्ठ पासपोर्ट अधीक्षक दीपक चंद्रा को सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को मुंबई से हिरासत में लेकर मंगलवार को गाजियाबाद स्थित सीबीआई विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां अदालत ने उन्हें तीन दिन की रिमांड पर भेज दिया। सीबीआई की जांच में यह बात सामने आयी कि वर्ष 2018 से 2024 के बीच दीपक चंद्रा ने पासपोर्ट अधीक्षक, सहायक पासपोर्ट अधीक्षक और वरिष्ठ पासपोर्ट अधीक्षक के रूप में कार्य करते हुए अपनी ज्ञात आय से कई गुना अधिक संपत्ति अर्जित की। जांच रिपोर्ट के अनुसार, 1.43 करोड़ रुपये की संदिग्ध संपत्ति उनके नाम और संबंधियों के माध्यम से पाई गई।

### वैध आय और संपत्ति में भारी अंतर

एजेंसी के अनुसार, आरोपित की वैध आय मात्र 1,29,557 रुपये पाई गई, जबकि उनके पास 88.43 लाख रुपये मूल्य की अवैध संपत्ति मिलने का दावा किया गया है। आय और संपत्ति के बीच यह बड़ा अंतर मामले को अत्यंत गंभीर बनाता है।

### भारी मात्रा में नकदी और दस्तावेज बरामद

शिकायत की पुष्टि के बाद सीबीआई ने गाजियाबाद और पटना में कुल तीन जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान लगभग 60 लाख रुपये नकद, बैंक जमा से जुड़े दस्तावेज, अचल संपत्ति की रजिस्ट्री, म्यूचुअल फंड और बीमा पॉलिसियों के कागजात, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र सहित कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए।

### रिमांड के दौरान होगी गहन पूछताछ

सीबीआई अधिकारियों का कहना है कि रिमांड अवधि में यह पता लगाया जाएगा कि आरोपी ने इतनी बड़ी राशि किस स्रोत से जुटाई और क्या इसमें अन्य व्यक्तियों की भूमिका भी शामिल है। एजेंसी यह भी जांच करेगी कि क्या संपत्ति अर्जन का कोई संगठित नेटवर्क इसमें शामिल था। गिरफ्तारी की कार्रवाई के बाद पासपोर्ट विभाग में हलचल तेज हो गई है।

# परिषदीय शिक्षकों को अब लगानी होगी डिजिटल हाजिरी

### उत्तर प्रदेश सरकार ने जारी कर दिए नये दिशा-निर्देश

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति प्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए ऑनलाइन हाजिरी को अनिवार्य कर दिया है। नए आदेश के अनुसार, सभी शिक्षक विद्यालय खुलने के एक घंटे के भीतर अपनी उपस्थिति ऑनलाइन दर्ज कराएंगे, जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक को सौंपी गई है। यह कदम इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में गठित समिति की विस्तृत रिपोर्ट के बाद उठाया गया है। शासन ने स्पष्ट किया है कि जिन विद्यालयों में इंटरनेट कनेक्टिविटी की समस्या है, वहां शिक्षकों को ऑफलाइन उपस्थिति दर्ज करने की अनुमति होगी। बाद में नेटवर्क सुचारू होने पर वही डेटा ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। इससे दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को तत्काल राहत मिलने की उम्मीद है।

### कार्रवाई से पहले सुनवाई अनिवार्य

नए सिस्टम में शिक्षकों के हितों का ध्यान रखते हुए यह भी प्रावधान किया गया है कि उपस्थिति में गड़बड़ी या लापरवाही पाए जाने पर किसी भी शिक्षक के खिलाफ सीधे कार्रवाई नहीं होगी। पहले उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा, उसके जवाब की समीक्षा की जाएगी और उसके बाद ही अगली कार्रवाई का निर्णय लिया जाएगा। ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था लागू होने से प्रदेश के लगभग 1.33 लाख परिषदीय विद्यालय और करीब 4.50 लाख शिक्षक इस नई प्रणाली के दायरे में आ जाएंगे। शासन का मानना है कि इससे उपस्थिति व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित होगा।

# सोनभद्र में मुठभेड़: दो तस्करों को लगी गोली

**सोनभद्र।** राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में देर रात पुलिस और गौतस्करों के बीच हुई मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी तथा दो तस्कर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायल तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उनके तीन साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। सीओ नगर रणधीर मिश्रा के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ गौतस्कर करमा–मधुपुर–नौगढ़ मार्ग से होते हुए बिहार की ओर पशुओं की तस्करी कर ले जाने वाले हैं। इस पर दोमुहिया पुल के पास रॉबर्ट्सगंज पुलिस और एसओजी टीम ने घेराबंदी की। इसी दौरान दो पिकअप वाहन तेज रफ्तार से आते दिखाई दिए। रोकने का प्रयास करने पर गौतस्करों ने एक पुलिसकर्मी को वाहन से टक्कर मारकर घायल कर दिया और फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोलियां दो तस्करों – नीरज कुमार (22) निवासी पन्नूगंज, सोनभद्र और मुन्ना (27) निवासी चैनपुर, बिहार – के पैरों में लगीं। दोनों को हिरासत में लेकर जिला अस्पताल भेजा गया। घायल आरक्षी का इलाज भी अस्पताल में चल रहा है। मौके से दो पिकअप वाहन, 16 गोवंश, दो तमंचे, एक जिंदा कारतूस और तीन खोखा कारतूस बरामद किए गए। पूछताछ में गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि वे बिहार के कैमूर क्षेत्र के गैंग से जुड़े हैं और लंबे समय से गौतस्करी कर रहे हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि गोवंश को कलवरी–मीरजापुर बॉर्डर से लादा गया था और नौगढ़ होकर बिहार पहुंचाकर नाटे, मुखिया और हाफिज नामक खरीदारों को सौंपा जाना था, जहां से इन्हें आगे पश्चिम बंगाल भेजा जाता है।

# टक्कर के बाद दो कारें जलीं, तीन की मौत

**बाराबंकी।** उत्तर प्रदेश में जनपद बाराबंकी के हैदरगढ़ थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर दो कार आमने-सामने टकरा गई। हादसे में तीन लोगों की मौत और कई लोग घायल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर बिग्रेड ने आग बुझाकर राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया है। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में दो महिलाएं और एक बच्ची शामिल है। कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। एसपी ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लखनऊ से आजमगढ़ की ओर जा रही है ब्रेजा कार विपरीत दिशा से आ रही दूसरी कार से टकरा गई। इससे दोनों वाहनों में आग लग गई। इस हादसे मे तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को किसी तरह खींचकर बाहर निकला। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने किसी तरह आग को बुझाया। लेकिन आग से दोनों वाहन पूरी तरह से जल चुकी थी। पुलिस ने राहत बचाव करते हुए घायलों को हाइवे मेडिकल टीम ने अस्पताल पहुंचाया हैं।

# डबल डेकर बसें कराएंगी लखनऊ की सैर

### पर्यटकों के लिए शुरू होगी इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस सेवा

### पर्यटन परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने विभाग की सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं को तय समय सीमा—31 दिसंबर 2025 तथा फरवरी 2026—तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्ययोजना को शीघ्र अंतिम रूप देने तथा पर्यटन क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर देने के आदेश दिए। मंत्री ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ताहीन सामग्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसी भी अनियमितता पर संबंधित कार्यदायी संस्था पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।
पर्यटन भवन, गोमती नगर में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री ने राजधानी आने वाले पर्यटकों के लिए नई सुविधा की घोषणा की।

### 31 दिसंबर तक की मोहलत

उन्होंने हरदोई, एटा, अलीगढ़, पीलीभीत, फिरोजाबाद, मैनपुरी और अमरोहा में निर्माणाधीन रामलीला चारदीवारियों को 31 दिसंबर तक पूर्ण करने को कहा। इसके अलावा रामलीला मैदानों में एकरूपता सुनिश्चित करने तथा सनातन परंपरा की झलक दिखाने वाले डिजाइनों का प्रयोग करने का निर्देश दिया। बड़े रामलीला स्थलों पर आधुनिक टॉयलेट कॉम्प्लेक्स बनाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मंत्री ने कई परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया, जिसमें चित्रकूट स्थित रामलीला स्थल और रामायण मेला परिसर के शुद्धिकरण कार्य शामिल हैं। उन्होंने राणा बेनी माधव सिंह की स्मृति में बनाए जा रहे सभागार व पुस्तकालय, बदायूं के ऑडिटोरियम, कन्नौज में रोमा समुदाय को समर्पित स्मारक, चित्रकूट में महर्षि वाल्मीकि सांस्कृतिक केंद्र तथा लखनऊ स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सांस्कृतिक केंद्र के संग्रहालय के आंतरिक कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए।

## व्यापार जगत

# बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार लुढ़का

### सेंसेक्स 275 अंक और निफ्टी 82 अंक गिरकर बंद

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। निजी बैंकिंग और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते बाजार ने शुरुआती बढ़त खो दी और अंत में दोनों प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। सेंसेक्स 275 अंक और निफ्टी 82 अंक टूटकर एक महीने के निचले स्तर पर आ गए। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,391.27 अंकों पर बंद हुआ। व्यापार के दौरान यह 85,020 के उच्च स्तर और 84,313 के निचले स्तर तक गया।

### एशियाई बाजारों का मिश्रित रुख

एशियाई बाजारों का रुख भी मिश्रित रहा। चीन का शंघाई कंपोजिट, जापान का निक्केई और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट में बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग हरे निशान में रहा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत मामूली गिरावट के साथ 61.92 डॉलर प्रति बैरल पर आ गई।
विदेशी निवेशकों की बिकवाली और वैश्विक दबाव के बीच रुपये में भी कमजोरी रही। डॉलर के मुकाबले रुपया नौ पैसे टूटकर 89.96 पर बंद हुआ। मंगलवार को भी सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए थे, जिससे बाजार की मंदी का रुझान जारी है।

# घरेलू बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरा सोना

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं में हो रहे उतार-चढ़ाव का सीधा असर घरेलू सर्राफा बाजार पर दिखाई दे रहा है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की घोषणा से पहले निवेशकों की सतर्कता के कारण आज देश में सोने के दाम लगातार दूसरे दिन नरम रहे, जबकि चांदी की कीमतों में बढ़त जारी रही। चेन्नई आज भी सोने की सबसे ऊंची कीमत वाला प्रमुख बाजार बना रहा। बाजार आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट सोना देशभर के सर्राफा बाजारों में 1,29,430 रुपये से 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच कारोबार करता रहा। वहीं 22 कैरेट सोने के भाव 1,18,640 रुपये से 1,19,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में रहे। 18 कैरेट सोना 97,070 रुपये से 99,990 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बिका। 22 कैरेट सोना इन सभी शहरों में 1,18,640 रुपये से 1,18,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि फेड के रुख पर आगे की कीमतों का रुझान निर्भर करेगा। फिलहाल सोने में हल्की गिरावट और चांदी में तेजी का दौर जारी है। सोने में गिरावट के विपरीत चांदी की कीमतों में तेजी बनी रही और दिल्ली में चांदी 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

# एडीबी ने बढ़ाया भारत की विकास दर का अनुमान

### वृद्धि दर 6.5 फीसद पर बरकरार

**नई दिल्ली।** भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत रफ्तार को देखते हुए एशियाई विकास बैंक (ADB) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की है। बुधवार को जारी एशिया विकास परिदृश्य रिपोर्ट में ADB ने अपने पूर्वानुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया। बैंक के अनुसार हाल ही में वस्तु एवं सेवा कर (GST) दरों में कटौती से घरेलू खपत में आई तेजी ने आर्थिक वृद्धि को मजबूती दी है।
रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो पिछले छह तिमाहियों का सर्वोच्च स्तर है। पहली तिमाही में यह वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही थी। इस प्रकार चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में भारत आठ प्रतिशत की औसत वृद्धि दर हासिल कर चुका है। ADB ने इस वृद्धि का श्रेय विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के विस्तार के साथ-साथ खपत और निवेश में निरंतर सुधार को दिया है।
सकारात्मक आर्थिक संकेतकों का असर एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर भी पड़ेगा। ADB ने अनुमान लगाया है कि एशिया की समग्र वृद्धि दर इस वर्ष संशोधित अनुमान के अनुसार 5.1 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। हालांकि, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर यथावत रखा गया है। इसी क्रम में हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने भी अपने विकास पूर्वानुमान को संशोधित करते हुए इसे 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया था। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच ने भी भारत के लिए अपना अनुमान 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है।

# स्पाइसजेट रोजाना उड़ाएगा 100 अतिरिक्त जहाज

## इंडिगो संकट के बीच स्पाइसजेट एयरलाइन ने शीतकालीन सत्र में विस्तार की घोषणा की

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडिगो के हालिया संकट के बीच घरेलू एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने इस शीतकालीन सत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने की घोषणा की है। स्पाइसजेट ने कहा कि वह 100 अतिरिक्त दैनिक उड़ानें शुरू करने की तैयारी कर रही है, ताकि मौजूदा विमानन क्षमता की कमी को दूर किया जा सके। कंपनी ने बताया कि रेगुलेटरी से मंजूरी मिलने के बाद यह सेवा शुरू हो जाएगी।
स्पाइसजेट ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि प्रमुख रूटों पर हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है, इसलिए अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने की तैयारी की जा रही हैं। इंडिगो में चल रही परिचालन बाधाओं के बीच यह कदम एयरलाइन उद्योग में क्षमता संतुलित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इंडिगो इस समय संकट के दौर से गुजर रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने देर शाम एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान इंडिगो एयरलाइन की 10 फीसदी फ्लाइट्स में कटौती का निर्देश जारी किया था।

### एक माह में शामिल किए गए 15 प्लेन

स्पाइसजेट पिछले दो महीनों में 17 एयरक्राफ्ट को अपने ऑपरेशन में शामिल कर चुकी है। इनमें डैम्प-लीज्ड एयरक्राफ्ट और वे विमान हैं, जो पहले सेवाओं से बाहर थे। ये फिर से उड़ान में शामिल हो गए हैं। इससे एयरलाइन के पास ज्यादा उड़ानें भरने की क्षमता में इजाफा हुआ है। इसके अलावा पिछले महीने स्पाइसजेट ने अपने बेड़े में पांच और बोइंग 737 एयरक्राफ्ट शामिल किए, जिसमें एक बोइंग 737 MAX भी शामिल है। इस तरह एक महीने में कंपनी ने बेड़े में कुल 15 प्लेन शामिल किए हैं।

# ओमान और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता अंतिम दौर मेः गोयल

**नई दिल्ली/जयपुर।** केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत रफ्तार पकड़ रही है। उन्होंने कहा कि टैरिफ और अन्य संभावित मुद्दों पर चर्चा के लिए अमेरिका का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली में मौजूद है। इस दल का नेतृत्व अमेरिका के नए डिप्टी ट्रेड प्रतिनिधि, एंबेसडर रिक स्विट्जर कर रहे हैं। जयपुर में आयोजित प्रवासी राजस्थानी दिवस कार्यक्रम के दौरान

गोयल ने कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बातचीत सार्थक दिशा में बढ़ रही है और कई मुद्दों पर प्रगति दर्ज की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे समझौतों में कई पहलुओं पर सहमति बनानी होती है और यह प्रक्रिया मजबूती से आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि दक्षिण अमेरिकी देश चिली के साथ व्यापार समझौते पर वार्ता जल्द पूरी होने की उम्मीद है। गोयल ने बताया कि ओमान और न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और दोनों समझौतों के जल्द ही संपन्न होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, यूरोपीय संघ के साथ एफटीए पर भी विस्तृत बातचीत जारी है और समझौते की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार कर ली गई है। वाणिज्य मंत्री के अनुसार, भारत आने वाले समय में वैश्विक व्यापार साझेदारियों को और सुदृढ़ करते हुए विभिन्न देशों के साथ आर्थिक सहयोग का दायरा बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

# विजय पताका फहराने उतरेगी टीम इंडिया

- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरा टी-20 आज
- इस स्टेडियम में पुरुषों का पहला अंतरराष्ट्रीय मैच होगा
- हार्दिक से एक और बड़ी पारी की उम्मीद

**मुल्लांपुर।** कटक फतह करने के बाद टीम इंडिया अब मुल्लांपुर में विजय पताका फहराने चाहेगी। शानदार फॉर्म में चल रहे गेंदबाजों के दम पर भारतीय टीम गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे टी-20 मुकाबले में भी दक्षिण अफ्रीका पर दबदबा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। टीम को अपने अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या से एक और धमाकेदार पारी की उम्मीद होगी। इस स्टेडियम यह पुरुषों का पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले छह मुकाबलों में से चार में जीत दर्ज की है।

### आमने-सामने

| | |
|---|---|
| कुल मैच | : 32 |
| भारत जीता | : 19 |
| दक्षिण अफ्रीका जीता | : 12 |
| बेनतीजा | : 1 |

### अर्शदीप बनाम डिकॉक

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप और दक्षिण अफ्रीकी ओपनर डिकॉक के बीच फिर दिलचस्प जंग होगी। कटक में दूसरी ही गेंद पर अर्शदीप ने डिकॉक को पवेलियन भेजकर मैच का रुख बदल दिया था। टी-20 की पांच पारियों में चौथी बार अर्शदीप ने डिकॉक का शिकार किया। इस दौरान डिकॉर्ड 21 गेंदों में 4.75 की औसत से सिर्फ 19 रन बना पाए हैं। इस मैदान में अब तक सिर्फ दो अंतरराष्ट्रीय वनडे मुकाबले खेले हैं। यह सितंबर में भारतीय महिला टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए थे।

### सूर्या का बल्ला भी खामोश

कप्तान सूर्यकुमार का बल्ला भी खामोश है। पिछली 19 पारियों से उनके बल्ले से कोई अर्धशतक नहीं निकला है। इस दौरान वह सिर्फ दो बार 30 प्लस का स्कोर कर पाए और तीन बार खाता भी नहीं खोल पाए। उनका विश्व कप से पहले फॉर्म में लौटना भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। न्यू चंडीगढ़ के ठंडे वातावरण में भारत के अपने विजयी संयोजन में बदलाव करने की संभावना नहीं है। चोट से उबरकर टीम में वापसी करते हुए हार्दिक ने ऑलराउंडर के रूप में खुद को फिर से साबित कर दिया है।

### नंबर गेम

**3** पिछले लगातार मुकाबले भारत ने जीते हैं। दक्षिण अफ्रीका ने उसे अंतिम बार नवंबर 2014 में तीन विकेट से हराया था

**81** रन दूर हैं हार्दिक टी-20 में दो हजार रन पूरे करने वाले पांचवें भारतीय बनने से। वह 121 मैचों में 1919 रन बना चुके हैं

### गिल बढ़ा रहे चिंता

उपकप्तान शुभमन गिल की फटाफट क्रिकेट में फॉर्म टीम की चिंता बढ़ा रही है। वह टी-20 में छाप छोड़ने में नाकाम रहे हैं। गिल को सीधे मैदान पर उतरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारत ने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को करारी शिकस्त दी। सितंबर में एशिया कप में टी-20 टीम में वापसी करने वाले गिल अभी भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। पिछली 16 पारियों से गिल अर्धशतक तक नहीं जड़ पाए हैं। संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। दोनों टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे थे। टीम प्रबंधन ने बावजूद इसके संजू की जगह गिल पर सलामी बल्लेबाज के रूप में अधिक भरोसा दिखाया। इसके बाद संजू की टीम में जगह अनिश्चित हो गई। गिल निश्चित रूप से पावरप्ले में अभिषेक की तरह आक्रामक बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं और इसलिए उन्हें यह पता लगाना होगा कि वह अपनी भूमिका कैसे अच्छी तरह निभा सकते हैं।

एशेज टेस्ट

# पैट कमिंस की टीम में वापसी

## 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा मुकाबला



**एडिलेड।** ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज और कप्तान पैट कमिंस चोट के बाद तीसरे एशेज टेस्ट के लिए टीम में लौट आए हैं। यह मुकाबला 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें कमिंस की वापसी ही एकमात्र नया बदलाव है। कमिंस पिछली बार जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर चुके थे और उन्होंने पीठ की चोट (लंबर बैक स्ट्रेस) के कारण शुरुआती दो टेस्ट नहीं खेले थे। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि कमिंस नेट्स में किए गए स्पेल्स के बाद पूरी तरह फिट हैं और एडिलेड की चुनौती के लिए तैयार होंगे। उन्होंने यह भी बताया कि सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा फिट होकर टीम में बने रहेंगे, जबकि नाथन लियोन की वापसी की संभावना से चयन में बदलाव हो सकता है।

तीसरे टेस्ट से पहले टीम मैनेजमेंट का ध्यान संतुलित गेंदबाज़ी और उपलब्ध बल्लेबाज़ों पर केंद्रित है। पर्थ और ब्रिस्बेन में मिले अनुभव के आधार पर एडिलेड में ऑस्ट्रेलिया का लक्ष्य एशेज में बढ़त कायम रखना है।

तीसरे टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीमः पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डोगेट, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, माइकल नेसर, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेब्स्टर।

## न्यूज ब्रीफ

### प्रीति झंगियानी को 'स्पोर्ट्स महिला बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर' पुरस्कार

**नई दिल्ली।** पीपल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया की अध्यक्ष और एशियन आर्मरेसलिंग फेडरेशन की उपाध्यक्ष प्रीति झंगियानी को तीसरे सीआईआई स्पोर्ट्स बिजनेस अवॉर्ड्स 2025 में 'स्पोर्ट्स बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर (महिला)' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह भव्य समारोह 9 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित किया गया। जूरी ने प्रीति झंगियानी को भारतीय आर्मरेसलिंग के विकास में उनके योगदान, प्रो पंजा लीग की सफलता और खिलाड़ियों के लिए मजबूत विकास प्रणाली बनाने के प्रयासों के लिए चुना। पुरस्कार मिलने के बाद प्रीति ने कहा कि यह सम्मान भारतीय आर्मरेसलिंग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की प्रेरणा देगा। इस अवसर पर राजस्थान रॉयल्स के मालिक मनोज बदाले को पुरुष वर्ग में समान पुरस्कार मिला, जबकि पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया, टाटा समूह और तमिलनाडु को अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

### शूटिंग लीग ऑफ इंडिया : 16 फरवरी से निशाना लगाएंगे शूटर्स

**नई दिल्ली।** बहुप्रतीक्षित शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) का पहला संस्करण 16 से 26 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। यह निर्णय आईएसएसएफ 2026 कैलेंडर के अनुसार लिया गया है, ताकि किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से टकराव न हो। लीग में देश और विदेश के शीर्ष निशानेबाज हिस्सा लेंगे। मिश्रित टीम स्पर्धाओं में पिस्टल (10 मीटर, 25 मीटर), राइफल (10 मीटर, 50 मीटर थ्री-पोजिशन) और शॉटगन (ट्रैप व स्कीट) शामिल होंगी। टीमों को फ्रेंचाइजी मॉडल के तहत दो समूहों में बांटा जाएगा और नॉकआउट मुकाबलों के बाद विजेता तय होगा। एनआरएआई अध्यक्ष कालिकेश नारायण सिंह देव ने इसे भारतीय शूटिंग के लिए ऐतिहासिक कदम बताया और कहा कि यह लीग खिलाड़ी-केंद्रित और वैश्विक कैलेंडर के अनुरूप होगी। महासचिव पवनकुमार सिंह ने कहा कि लीग घरेलू खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ खेलने का अवसर देगी। पूर्व विश्व चैंपियन रंजन सोढ़ी ने लीग के रोमांचक प्रारूप और प्रसारण की तारीफ की, जबकि अर्जुन पुरस्कार विजेता अंजलि भगवत ने इसे जूनियर और राष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

# भारत में पहली बार होगा कॉमनवेल्थ खो-खो चैंपियनशिप

## नौ मार्च से खेले जाएंगे मुकाबले, 24 से अधिक देशों की टीमें करेंगी शिरकत

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत 2026 में पहली बार कॉमनवेल्थ खो-खो चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट 9 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए कॉमनवेल्थ स्पोर्ट ने औपचारिक स्वीकृति दे दी है और अनुमान है कि 24 से अधिक देशों की टीमें इसमें हिस्सा लेंगी।

प्रतिभागी देश एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ओशिनिया और अमेरिका के होंगे, जिससे प्रतियोगिता वैश्विक स्तर पर व्यापक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करेगी। कॉमनवेल्थ संघ में 56 स्वतंत्र देश शामिल हैं, जिनकी संयुक्त जनसंख्या लगभग 2.7 अरब है।

यह टूर्नामेंट भारत में खो-खो के विकास और अंतरराष्ट्रीय पहचान के लिए अहम माना जा रहा है। इससे पहले जनवरी 2025 में नई दिल्ली में आयोजित पहला खो-खो विश्व कप सफलता के साथ संपन्न हुआ था, जिसमें छह महाद्वीपों के 23 देशों ने भाग लिया था।

### स्थल चयन को लेकर अभी चर्चा जारी

खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव उपकार सिंह विरक ने कहा कि आयोजन स्थल के चयन को लेकर कई राज्यों से चर्चा जारी है और शीघ्र अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा, "यह चैंपियनशिप खो-खो को 2030 के कॉमनवेल्थ खेल, दोहा एशियन गेम्स 2030 और ब्रिस्बेन ओलंपिक 2032 जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शामिल कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।"

# लंदन स्पिरिट के मेंटर और बल्लेबाजी कोच बने दिनेश कार्तिक

**लंदन।** भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को द हंड्रेड लीग की फ्रेंचाइज़ी लंदन स्पिरिट (मेंस टीम) का मेंटर और बल्लेबाज़ी कोच नियुक्त किया गया है। कार्तिक वर्तमान में आईपीएल की मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के भी मेंटर हैं और यह द हंड्रेड में उनकी पहली फ्रेंचाइज़ी भूमिका होगी।

दिनेश कार्तिक का अनुभव व्यापक और समृद्ध रहा है। उन्होंने खिलाड़ी और कोच के रूप में आईपीएल में 250 से अधिक मैच खेले हैं, जबकि भारत की ओर से 180 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लिया है। उनके अनुभव को लंदन स्पिरिट के लिए अहम माना जा रहा है।

लंदन स्पिरिट के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट मो बॉबट ने कहा, "डीके का हमारे साथ जुड़ना खुशी की बात है। उनका शॉर्ट-फॉर्मेट और फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट का अनुभव टीम के लिए अमूल्य साबित होगा। उनके साथ काम करना मज़ेदार है और वह हर काम में ऊर्जा और उत्साह भर देते हैं।"

### लंदन स्पिरिट से जुड़ना रोमांचक : कार्तिक

नई भूमिका पर दिनेश कार्तिक ने कहा, "लंदन स्पिरिट से जुड़ना मेरे लिए रोमांचक है। लॉर्ड्स में काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। अगले साल टीम को एकजुट होते देखने और शानदार खिलाड़ियों के साथ काम करने का मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं।" उल्लेखनीय है कि कार्तिक पहले भी मो बॉबट और हेड कोच एंडी फ्लावर के साथ आईपीएल में आरसीबी के लिए काम कर चुके हैं, जिससे यह नई जिम्मेदारी उनके लिए अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

## बॉलीवुड

# प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर के शुरुआती दौर को किया याद

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में एक इवेंट में अपने शुरुआती करियर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि जब वो नई-नई अभिनेत्री थीं, तो वो बहुत महत्वाकांक्षी थीं और कोई भी काम मिलता था तो हां कह देती थीं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रियंका ने अबू धाबी के ब्रिज समिट के दौरान कहा, 'मैं अपने करियर के शुरुआती दौर में बिल्कुल चुनिंदा नहीं थी। जो काम मिलता, कर लेती थी क्योंकि काम मिलना अपने आप में बड़ी बात होती है। मैं अपने 20 के दशक में बहुत लालची थी। हर दिन काम करना चाहती थी।'

प्रियंका ने बताया कि सफलता के लिए उन्होंने बहुत त्याग किए। प्रियंका ने कहा, 'मैंने जन्मदिन नहीं मनाए, दिवाली-क्रिसमस नहीं मनाए, और परिवार के साथ समय नहीं बिताया। जब मेरे पापा अस्पताल में थे, तब भी मैं उनके पास नहीं रह सकी। उस उम्र में मुझे इतनी मेहनत करनी पड़ी ताकि आज मैं वह जिंदगी जी सकूं, जो मैं आज जी रही हूं।'

प्रियंका को आज इस बात की खुशी है कि उन्हें अपनी की हुई मेहनत का फल मिला है। उन्होंने कहा, 'आज मेरे पास ये लग्जरी है कि मैं फिल्मों को चुन सकती हूं कि कब हां (फिल्म) कहना है और कब ना। अगर मैंने तब इतनी मेहनत न की होती तो आज ये आजादी न मिलती। इसलिए मैं खुद को बहुत-बहुत थैंक यू कहती हूं।'

फिलहाल, प्रियंका इन दिनों निर्देशक राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' को लेकर व्यस्त हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू नजर आएंगे। हाल ही में उनकी हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' रिलीज हुई थी। 026 में उनकी हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होगी।



# 'राहु केतु' का पहला धमाकेदार गाना 'मदिरा' रिलीज

न्यू ईयर पार्टी सीजन को और जोश से भरने आ गया है 'राहु केतु' का पहला गाना 'मदिरा' रिलीज होते ही ट्रेंड करने लगा है। ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शन्स ने लंबे इंतज़ार और जबरदस्त बज़ के बाद फिल्म का टीज़र जारी किया, जिसमें इसकी मजेदार, कॉस्मिक और पूरी तरह हटकर दुनिया की झलक दिखाई गई है। टीज़र के तुरंत बाद रिलीज हुआ गाना 'मदिरा', जिसे देखकर साफ है कि यह इस साल की हर पार्टी का नया एंथम बनने जा रहा है। गाने में शालिनी पांडे अपनी बोल्ड, ग्लैमरस और पहले कभी न देखी गई स्टाइलिश पर्सनैलिटी के साथ सबकी निगाहें खींच लेती हैं। उनके एनर्जेटिक और स्मूद डांस मूव्स गाने की वाइब को और भी हाई-ऑक्टेन बना देते हैं। वहीं पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा अपनी मजेदार केमिस्ट्री, शार्प कोरियोग्राफी और बिंदास अंदाज़ से इस पार्टी नंबर को पूरी तरह धमाल बना देते हैं।

'मदिरा' को विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने कंपोज़ किया है। इसे सिमर कौर, अभिनव शेखर और विक्रम मॉन्ट्रोज़ ने अपनी आवाज़ दी है, जबकि इसके बोल भी अभिनव शेखर ने लिखे हैं। इस ट्रैक के बारे में विक्रम मॉन्ट्रोज़ का कहना है कि उन्होंने ऐसा गाना तैयार किया है जो 'राहु केतु' की मस्ती, पागलपंती और बिंदास ऊर्जा को एकदम सही तरीके से कैप्चर करता है, ₹बस मूड में आओ और पल को जी लो। विपुल गर्ग के निर्देशन में बनी 'राहु केतु' को ज़ी स्टूडियोज़ पेश कर रहा है और इसका निर्माण ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शन्स ने किया है। फिल्म 'राहु केतु' 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# नई फिल्म के साथ लौट रहे हैं रेमो डिसूजा, किया ऐलान

मशहूर कोरियोग्राफर और निर्देशक रेमो डिसूज़ा ने अपनी नई फिल्म 'टेढ़ी है पर मेरी है' की आधिकारिक घोषणा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसका टीज़र वीडियो जारी करते हुए फिल्म की स्टारकास्ट से पर्दा उठाया। खास बात यह है कि इस फिल्म के जरिए रेमो ने आरजे महवश को बड़ा ब्रेक दिया है, वही महवश, जो भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल की कथित गर्लफ्रेंड को लेकर सुर्खियों में रह चुकी हैं।





फिल्म के टीज़र में अभिनेता जितेंद्र कुमार की वॉयस ओवर सुनाई देती है, जो फिल्म में गुलाब हकीम का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, महवश को नगमा के रूप में पेश किया गया है। रेमो ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, ₹गुलाब और नगमा की मोहब्बत एक ऐसी मोहब्बत जिसकी जान कम है, लेकिन जुनून ज्यादा है। गुलाब में मोहब्बत का कीड़ा है और नगमा में कुदरत का फिल्म का निर्देशन जयेश प्रधान ने किया है, और टीज़र देखकर साफ है कि कहानी एक अनोखी, टेढ़ी-मेढ़ी लेकिन दिल को छू लेने वाली प्रेम कथा पर आधारित होगी।

# विजय दिवस पर दर्शकों को मिलेगा 'बॉर्डर 2' का टीजर

'गदर 2' और 'जाट' की शानदार सफलता के बाद अब सनी देओल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बॉर्डर 2' सुर्खियों के केंद्र में है। इस बार फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी जैसे बड़े कलाकार भी शामिल हैं, जिसने दर्शकों की उम्मीदों को और बढ़ा दिया है। हाल ही में निर्माताओं ने सभी मुख्य कलाकारों की पहली झलक जारी की, जिसके बाद प्रशंसकों का उत्साह और भी तेजी से बढ़ गया है। इसी बीच फिल्म के टीज़र रिलीज को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है, हालांकि सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि क्या सनी देओल टीज़र लॉन्च कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे या नहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक 'बॉर्डर 2' का टीज़र विजय दिवस 16 दिसंबर 2025 को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च किया जाएगा। यह इवेंट मुंबई में आयोजित होगा। पहले टीज़र लॉन्च अमृतसर में होना था, लेकिन कुछ कारणों के चलते इसे टाल दिया गया। कार्यक्रम में निर्देशक अनुराग सिंह, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी की मौजूदगी तय मानी जा रही है। इसके साथ ही सोनम बाजवा, मोना सिंह और मेधा राणा भी कार्यक्रम में नजर आ सकती हैं।

सनी देओल की मौजूदगी पर सस्पेंसटीज़र लॉन्च की खबर ने फैंस को रोमांचित कर दिया है, लेकिन सनी देओल की मौजूदगी को लेकर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। हाल ही में 24 नवंबर को उनके पिता धर्मेंद्र के निधन के बाद सनी किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम में दिखाई नहीं दिए हैं। हालांकि रिपोर्ट्स का कहना है कि टीम को उम्मीद है कि सनी इस महत्वपूर्ण लॉन्च इवेंट में जरूर शामिल होंगे।

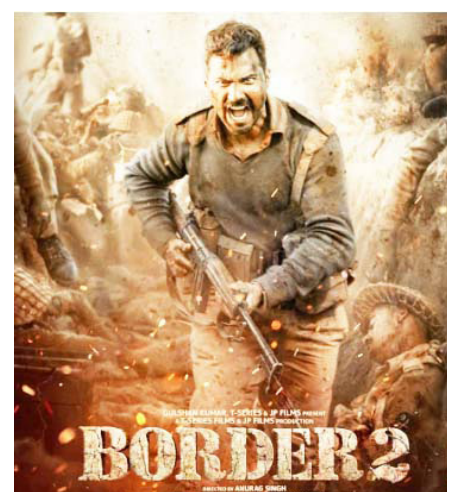

# अब दिवाली को मिलेगी ग्लोबल पहचान

- दिवाली को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया
- पीएम मोदी ने दी बधाई, बोले–दिवाली हमारी सभ्यता की आत्मा
- कुंभ मेला समेत 15 धरोहरें पहले ही लिस्ट में

एजेंसी । नई दिल्ली

यूनेस्को ने दिवाली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया। यूनेस्को ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची जारी की। इसमें घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल हैं। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि दिवाली हमारी सभ्यता की आत्मा है। भारत की 15 अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में शामिल हैं। इसमें दुर्गा पूजा, कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, छाऊ नृत्य भी शामिल हैं। ये फैसला उस समय आया है, जब दिल्ली में UNESCO की इंटर-गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की 20वीं बैठक की मेजबानी कर रही है। यह 8 से 13 दिसंबर तक चलेगी। इसी मौके को देखते हुए केंद्र सरकार ने 10 दिसंबर को विशेष दीपावली समारोह रखने का फैसला किया है, ताकि दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत तरह से पेश किया जा सके।

## दिवाली संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी : पीएम मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर बधाई देते हुए लिखा, 'भारत और दुनियाभर के लोग उत्साहित हैं। हमारे लिए दिवाली, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह ज्ञान और धर्म का प्रतीक है। दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किए जाने से इस त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और भी वृद्धि होगी। प्रभु श्री राम के आदर्श हमें शाश्वत रूप से मार्गदर्शन करते रहें।

## भारत की 15 धरोहरें पहले से लिस्ट में

यूनेस्को की यह लिस्ट दुनिया की ऐसी सांस्कृतिक और पारंपरिक चीजों को शामिल करती है, जिन्हें छू नहीं सकते लेकिन अनुभव किया जा सकता है। इसे अमूर्त विश्व धरोहर भी कहते हैं। इसका मकसद है कि ये सांस्कृतिक धरोहरें सुरक्षित रहें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचें। दीपावली यूनेस्को की सूची में शामिल होने वाली भारत की 16वीं सांस्कृतिक परंपरा है। इससे पहले 15 सांस्कृतिक परंपराएं यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची में शामिल थीं। इनमें कुंभ मेला, कोलकाता की दुर्गा पूजा, गुजरात का गरबा नृत्य, योग, वैदिक मंत्रोच्चार की परंपरा और रामलीला मंचन शामिल हैं।

## सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मिलेगा बढ़ावा

दीपावली के अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने से दुनिया भर में लोकप्रियता बढ़ने से पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी बढ़ावा मिलेगा। समृद्ध भारतीय विरासत का संरक्षण और प्रचार-प्रसार होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक ध्यान, समर्थन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान से यह त्यौहार एक वैश्विक विरासत बन जाएगा। दीपावली के अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल होने से भारत की सांस्कृतिक पहचान का सशक्तिकरण होगा। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा। दीपावली में शामिल प्रथाओं को संरक्षित और प्रचारित करने में यूनेस्को मदद करेगा। इससे यह त्यौहार पीढ़ी दर पीढ़ी सांस्कृतिक उपलब्धि के साथ ही तरक्की का भी माध्यम बनेगा।

# किशोरों के लिए FB, इंस्टा, टिकटाक और एक्स प्रतिबंधित

- 16 वर्ष तक के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर लगाया गया प्रतिबंधित
- ऑस्ट्रेलिया में सोशल मीडिया उपयोग पर सख्त रोक, नया कानून प्रभावी

एजेंसी । कैनबरा

ऑस्ट्रेलिया सरकार ने नाबालिगों की ऑनलाइन सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के उपयोग पर व्यापक प्रतिबंध लागू कर दिया है। बुधवार से प्रभावी हुए इस कानून के तहत फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक और एक्स सहित कुल 10 प्लेटफॉर्म बच्चों के लिए बंद कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने नए प्रावधानों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह कदम बच्चों को ऑनलाइन जोखिमों और नकारात्मक प्रभावों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और विकास पर गंभीर असर डाल रहे थे, इसलिए इस दिशा में मजबूत कार्रवाई की आवश्यकता थी।

## फेडरल संसद ने पारित किया कानून

नवंबर 2024 में फेडरल संसद द्वारा पारित यह कानून सोशल मीडिया कंपनियों को अनिवार्य रूप से यह सुनिश्चित करने का दायित्व देता है कि वे 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अपने प्लेटफॉर्म पर खाता बनाने से रोकें। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यदि आवश्यकता पड़ी तो प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म की सूची में और नाम जोड़े जा सकते हैं।

## दंड की भागीदार होंगी कंपनियां

नए कानून के तहत बच्चों या उनके अभिभावकों पर किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं होगी। उल्टे, अनुपालन सुनिश्चित करने की पूरी जिम्मेदारी सोशल मीडिया कंपनियों पर होगी। नियमों का उल्लंघन करने पर संबंधित कंपनी पर 49.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकेगा।

## न्यूज़ ब्रीफ

### नये कस्टम कानून के विरोध में कस्टम सेवाएं ठप

**काठमांडू।** नए कस्टम कानून के कड़े दंड प्रावधानों और जाँच–पास प्रक्रिया को अव्यावहारिक बताते हुए कस्टम एजेंटों ने देशभर में पेनडाउन आंदोलन शुरू कर दिया है। मंगलवार से सभी कस्टम कार्यालयों में काम बंद होने से आयात–निर्यात लगभग पूरी तरह ठप हो गया है। शनिवार से लागू कानून के विरोध में की गई वार्ता भी निष्कर्षहीन रही। कस्टम विभाग का कहना है कि दंड और दस्तावेज़ संबंधी प्रावधानों में तत्काल संशोधन संभव नहीं है, हालांकि व्यावहारिक सुधारों पर तुरंत कार्य किया जाएगा। महानिर्देशक श्याम भण्डारी ने प्रक्रिया सरल बनाने और तकनीकी अवरोध दूर करने के लिए त्वरित कदम उठाने की बात कही। महासंघ ने कहा कि विभाग का रुख सकारात्मक है और बातचीत आगे जारी रहेगी।

### मासिक धर्म अवकाश पर नहीं लगेगी रोक

**बेंगलुरु।** कर्नाटक उच्च न्यायालय ने महिला कर्मचारियों को मासिक धर्म के दौरान प्रति माह एक दिन के सवैतनिक अवकाश देने संबंधी राज्य सरकार की अधिसूचना पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति ज्योति मूलीमणि की पीठ ने बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन सहित याचिकाकर्ताओं की मांग खारिज करते हुए कहा कि यह मुद्दा व्यापक जनहित से जुड़ा है। एडवोकेट जनरल के. शशिकरण शेट्टी ने इसे महिलाओं के कल्याण के लिए प्रगतिशील कदम बताया, जबकि याचिकाकर्ता पक्ष ने कार्यकारी आदेश के आधार पर ऐसे प्रावधान को लागू करने पर सवाल उठाया। अदालत ने सभी पक्षों से जवाब मांगते हुए अगली सुनवाई 20 जनवरी तय की है।

### अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट पहुंचे लूथरा ब्रदर्स

**नई दिल्ली।** गोवा के बर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में हुए भीषण आग हादसे के मामले में आरोपित गौरव लूथरा और सौरभ लूथरा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली की रोहिणी अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की है। अदालत इस याचिका पर आज सुनवाई करेगी। गौरतलब है कि इस मामले में पहले ही एक आरोपित अजय गुप्ता को दिल्ली से गिरफ्तार किया जा चुका है। गौरव और सौरभ लूथरा भी दिल्ली के ही निवासी हैं और घटना के तुरंत बाद उनके विदेश भागने की जानकारी सामने आई थी। गोवा में 7 दिसंबर को हुए इस विनाशकारी अग्निकांड में 25 लोगों की मृत्यु हो गई थी। गिरफ्तार अजय गुप्ता, साथ ही फरार चल रहे दोनों आरोपित, नाइट क्लब के साझेदार बताए जाते हैं।

# जेन जी आंदोलन : पूर्व पीएम और गृहमंत्री की गिरफ्तारी की तैयारी

- पूर्व प्रधानमंत्री ओली और पूर्व गृहमंत्री लेखक की संभावित गिरफ्तारी की तैयारी

एजेंसी । काठमांडू

जेन जी आंदोलन के दौरान पुलिस बल के कथित अत्यधिक प्रयोग की जांच कर रहे न्यायिक आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक के बयान रिकॉर्ड न कराने की स्थिति को गंभीर मानते हुए उन्हें कानूनी रूप से प्रस्तुत कराने की तैयारी शुरू कर दी है। आयोग की शेष बची दो सप्ताह की अवधि में अब तक राजनीतिक स्तर के बयान पूरे नहीं हो पाए हैं, जिससे प्रक्रिया में तेजी लाई गई है। आयोग के प्रवक्ता विज्ञानराज शर्मा ने बताया कि अब तक लगभग 150 व्यक्तियों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। फील्ड में तैनात सुरक्षा कर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों के बयान लेने के बाद अब वरिष्ठ राजनीतिक और सुरक्षा नेतृत्व से पूछताछ का चरण चल रहा है।

## प्रक्रिया से पीछे हटने का कोई आधार नहीं

प्रवक्ता शर्मा ने कहा कि बयान प्रक्रिया से पीछे हटने का कोई आधार नहीं है, और यदि वे आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं होते हैं, तो कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। आयोग सरकार से अनुरोध कर सकता है कि उन्हें पेश कराने के लिए बाध्यकारी कदम उठाए जाएँ। गृहमंत्री ओमप्रकाश अर्याल ने भी स्पष्ट किया कि आयोग के औपचारिक अनुरोध पर सरकार पुलिस को तैनात कर दोनों नेताओं को आयोग के समक्ष उपस्थित कराएगी। गृहमंत्री ने कहा कि कानून सभी के लिए एक समान है और किसी भी स्थिति में इसकी अवहेलना स्वीकार्य नहीं होगी।

## आयोग की निष्पक्षता पर उठाए सवाल

इस बीच, नेकपा (एमाले) के उपमहासचिव प्रदीप झवाली ने आयोग को ही अवैध और पक्षपाती करार देते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ओली के बयान के लिए आयोग के समक्ष उपस्थित होने का कोई प्रश्न नहीं उठता। झवाली ने आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर आपत्तियाँ दोहराते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। आयोग ने मंगलवार को सशस्त्र प्रहरी महानिरीक्षक राजु अर्याल का बयान दर्ज किया है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें पुनः बुलाया जा सकता है। पूर्व पुलिस प्रमुख चन्द्रकुबेर खापुंग को भी दोबारा तलब किए जाने की संभावनाएँ व्यक्त की गई हैं।

# इंडिगो ने समय पर नियुक्त नहीं किए पायलट : हाईकोर्ट

दिल्ली हाईकोर्ट ने गंभीर रुख अपनाते हुए दिखाई सख्ती

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन में उत्पन्न परिचालन संकट को लेकर दिल्ली उच्च न्यायालय ने गंभीर रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार और इंडिगो प्रबंधन को विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एयरलाइन को फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDL) के अनुपालन के लिए पर्याप्त संख्या में पायलट नियुक्त करने चाहिए थे, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि आवश्यक तैयारी समय पर नहीं की गई। अखिल राणा और उत्कर्ष शर्मा की जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि याचिका पर्याप्त तैयारी के बिना दायर की गई है, फिर भी जनहित को ध्यान में रखते हुए इस मामले पर संज्ञान लिया जा रहा है। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने 8 दिसंबर को इस याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद एक वकील ने मामले का उल्लेख चीफ जस्टिस सूर्यकांत के समक्ष किया था और जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने तब कहा था कि केंद्र सरकार स्थिति पर पहले ही कार्रवाई कर रही है और इस मुद्दे पर त्वरित सुनवाई की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से कड़े सवाल पूछे और कहा कि क्या सरकार एयरलाइंस के खिलाफ कार्रवाई करने में असहाय है।

# गढ़चिरौली : 82 लाख के 11 इनामिया नक्सलियों का सरेंडर

- डीजी रश्मि शुक्ला की मौजूदगी में कुख्यात नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी । गढ़चिरौली

महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली जिले में बुधवार को 11 कुख्यात नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम में डिवीजनल कमेटी, प्लाटून कमेटी और एरिया कमेटी स्तर के नक्सली शामिल रहे। सभी पर कुल 82 लाख रुपये का इनाम घोषित था। समर्पित नक्सलियों में रमेश उर्फ भीमा लेकामी, भीमा उर्फ किरण हिडमा कोवासी, पोरीये उर्फ लकी गोटा, रतन उर्फ सन्ना मासु ओयाम समेत अन्य सदस्य शामिल हैं। चार नक्सली हथियारों और वर्दी के साथ मंच पर उपस्थित हुए। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रखी गई थी। पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल के अनुसार यह आत्मसमर्पण अभियान गढ़चिरौली में चल रही पुलिस कार्रवाई की बड़ी सफलता है।

## सी-60 कमांडो दल की सराहना

डीजीपी रश्मि शुक्ला ने सी-60 कमांडो दल के काम की सराहना करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों और जवानों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हिंसा छोड़कर मुख्यधारा में लौटना नक्सलियों के लिए एक सकारात्मक कदम है। उन्होंने शेष माओवादियों से भी आत्मसमर्पण कर शांति का मार्ग अपनाने की अपील की।

## गाइडबुक का भी विमोचन किया गया

इस अवसर पर 'प्रोजेक्ट उड़ान–विज़न ऑफ डेवलपमेंट' नामक गाइडबुक का भी विमोचन किया गया, जिसका उद्देश्य दूरस्थ इलाकों के नागरिकों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचाना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सीआरपीएफ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में जवान उपस्थित रहे।

# चार दिन में चार बाघ शावकों की मौत

एजेंसी । कैनबरा

मैसूर। कर्नाटक के मैसूर जिले के हुनसूर तालुक के गौदानकट्टे गांव में पकड़े गए चार बाघ शावकों की चार दिन के भीतर मौत हो गई। शावकों की मृत्यु का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रारंभिक आशंका भोजन की कमी और बीमारियों से जुड़ी बताई जा रही है। घटना की पृष्ठभूमि के अनुसार, 28 नवंबर को गांव में एक बाघिन और उसके चार शावकों को देखा गया था। स्थानीय लोगों की सूचना पर वन विभाग ने रात में रेस्क्यू अभियान चलाया और बाघिन को पकड़ लिया, जबकि चार शावक पकड़ में नहीं आ सके।

## मां से अलग रहना शावकों को पड़ा भारी

केंद्र में बाघिन के बच्चों को मां से अलग रहने के कारण भूख और कमजोरी का सामना करना पड़ा। इसके बाद 6 दिसंबर को एक शावक की मौत, 7 दिसंबर को दो शावकों की और मंगलवार को चौथे शावक की मौत हुई। माना जा रहा है कि ठीक से खाना न खाने के कारण शावक बीमार पड़े।

# पुतिन के जाते ही भारत पहुंचा अमेरिकी दल

## भारत–अमेरिका व्यापार वार्ता की नई पहल, 12 दिसंबर तक चलेगी बैठक

एजेंसी । कैनबरा

भारत और अमेरिका के बीच हाल के तनाव के बावजूद, दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को पुनर्जीवित करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यह पहल अमेरिकी अंडर सेक्रेटरी एलिसन हुकर के भारत दौरे और विदेश सचिव विक्रम मिश्री के साथ उनकी बैठक के बाद हुई। इस बैठक का उद्देश्य राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की फरवरी में हुई मुलाकात में तय वायदों और विज़न को आगे बढ़ाना और संबंधों को सामान्य करना था। इसी कड़ी में अमेरिकी व्यापार उप प्रतिनिधि (यूटीआर) रिक स्विट्जर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 10 दिसंबर से भारत में व्यापार वार्ता शुरू करेगा। यह वार्ता 12 दिसंबर तक चलेगी और इसमें द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

## रूसी तेल खरीदने पर लगा टैरिफ

इससे पहले अगस्त में अमेरिका ने भारतीय सामान पर टैरिफ बढ़ाकर 50% कर दिया था, जिसमें 25% टैरिफ रूस से तेल खरीदने पर लागू हुआ। इसके बाद दोनों देशों के व्यापारिक संबंधों में खिंचाव देखने को मिला। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा इसी तनावपूर्ण माहौल में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए एक नई पहल है।

# नागरिकों की गरिमा और अधिकार सर्वोपरि : राष्ट्रपति मुर्मू

एजेंसी । नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हर नागरिक की गरिमा और उसके अधिकारों पर किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि भारत की परंपरा 'वसुधैव कुटुंबकम' मानवाधिकारों की सार्वभौमिक भावना को मजबूत करती है। दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामासुब्रमणियन, आयोग के सदस्य, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पी. के. मिश्रा तथा संयुक्त राष्ट्र महासचिव की समन्वयक अरेती सिएनी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर एनएचआरसी की हिंदी पत्रिका 'नई दिशाएं' और अंग्रेजी जर्नल के वर्ष 2024–25 संस्करण भी जारी किए। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत ने सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा पत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होंने संविधान निर्माता डॉ. बी. आर. आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि मानवाधिकार, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। उन्होंने बताया कि एनएचआरसी ने हाल के वर्षों में अनुसूचित जाति-जनजाति, महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन से जुड़े मामलों में सक्रिय भूमिका निभाई है।

## हर नागरिक तक पहुंचें बुनियादी सुविधाएं

राष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी साकार होगा जब शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, स्वच्छ जल, स्वच्छता और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं हर नागरिक तक समान रूप से पहुंचें। एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल और पीएम-श्री स्कूल जैसी योजनाओं ने वंचित तबके के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की है। आवास और खाद्य सुरक्षा योजनाओं ने करोड़ों परिवारों को सम्मानजनक जीवन का आधार दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि श्रम सुधारों और सामाजिक सुरक्षा में हालिया सुधारों ने श्रमिकों के अधिकारों को मजबूत किया है। सुदूर क्षेत्रों तक सुविधाएं पहुंचाना सरकार और समाज दोनों की साझा जिम्मेदारी है। समावेशी विकास का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब विकास की यात्रा में कोई भी नागरिक पीछे न छूटे।

### घोटालेबाज मेहुल चोकसी को बेल्जियम सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, प्रत्यर्पण विरोधी अपील खारिज

# जल्द भारत लाया जाएगा भगोड़ा हीरा कारोबारी

एजेंसी । नई दिल्ली

भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को बेल्जियम की सुप्रीम कोर्ट से बड़ा कानूनी झटका लगा है। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपितों में शामिल चोकसी की वो अपील, जिसमें उसने भारत प्रत्यर्पण के फैसले को चुनौती दी थी, बेल्जियम की सर्वोच्च अदालत कोर्ट ऑफ कैसशन ने खारिज कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, इस फैसले के बाद भारत की एजेंसियों की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं कि चोकसी को जल्द ही भारत लाया जा सकेगा।

## घोटाले में फरार है चोकसी

बतादें कि पीएनबी में कथित 13,000 करोड़ रुपये के घोटाले में फरार चोकसी का प्रत्यर्पण भारत के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब भारत सरकार और जांच एजेंसियां चोकसी को देश वापस लाने की औपचारिक तैयारियों में तेजी ला सकती हैं।

## सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा निचली अदालत का निर्णय

बेल्जियम अदालत के अधिकारी हेनरी वेंडरलिंडन ने जानकारी दी कि कोर्ट ऑफ कैसशन ने मेहुल चोकसी की अपील खारिज करते हुए साफ कहा है कि कोर्ट ऑफ अपील का निर्णय वैध रहेगा। इससे पहले एंटवर्प की कोर्ट ऑफ अपील ने भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध को सही ठहराया था और इसे लागू करने योग्य माना था।

## दलीलें स्वीकार, 'राजनीतिक प्रताड़ना' का दावा खारिज

प्रत्यर्पण प्रक्रिया के दौरान भारतीय एजेंसियों ने बेल्जियम कोर्ट को मुंबई की आर्थर रोड जेल की तस्वीरें और सुविधाओं का विस्तृत विवरण दिया था। भारत ने आश्वासन दिया कि चोकसी को सभी मानवीय अधिकारों के अनुरूप रखा जाएगा और उसे निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया मिलेगी। चोकसी ने अदालत में दावा किया था कि भारत में उसे राजनीतिक प्रताड़ना और अमानवीय व्यवहार का खतरा है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि ऐसे आरोपों को साबित करने वाला कोई भी ठोस सबूत पेश नहीं किया गया। इसलिए भारत को उसे वापस लाने से रोकने का कोई आधार नहीं बनता।